सूर्योदय 06:15 AM सूर्यास्त 06:10 PM
अधिकतम 28 Degree न्यूनतम 16 Degree
सोना 87, 540 Rs.
चांदी 99, 500 Rs.

www.swatantrabaat.com

डाक पंजीयन संख्या LW/NP-142/2022-2024

हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र बात

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

R.N.I. No. UPHIN/2010/36179 लखनऊ संस्करण

जन जन की आवाज स्वतंत्र बात

खबरों एवं विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
मो0 7007147353
Swatantrabaat@gmail.com

वर्ष. 16 अंक. 71 लखनऊ, शनिवार, 15 फरवरी 2025 Swatantrabaat@gmail.com पृष्ठ. 8 मूल्य 2:00 रुपये

पृष्ठ 4 आसान जिंदगी की चाह ने बेइज्जती ....
पृष्ठ 5 मदिरा-बीयर की दुकानों पर जमघट....
पृष्ठ 8 विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट...

लखनऊ को मिला दो नया फ्लाईओवर

588 करोड़ की 114 परियोजनाओं का हुआ लोकार्पण-शिलान्यास

(संवाददाता)

लखनऊ । यूपी की राजधानी लखनऊ में विकास की गति को और तेज करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दो फ्लाईओवर और 114 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन मिनी स्टेडियम, विकास नगर में किया गया। इस दौरान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और केशव मौर्य समेत कई

❑ खुर्रमनगर और मुंशीपुलिया फ्लाईओवर के निर्माण से पहले इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से मुंशीपुलिया तक का सफ र

बड़े नेता भी मौजूद रहे। इन दोनों फ्लाईओवर्स के जरिए सीतापुर से आने और जाने वालों को अब रेड लाइट का सामना नहीं करना पड़ेगा। अयोध्या रोड से आने वाले लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। बता दें कि खुर्रमनगर और मुंशीपुलिया फ्लाईओवर के निर्माण से पहले इंजीनियरिंग कॉलेज चौराहे से मुंशीपुलिया तक का सफर तय करने में लोगों को भीषण जाम का सामना करना पड़ता था। जिसकी वजह से लोगों को करीब 1 से डेढ़ घंटे का समय लगता था। अब इन दोनों फ्लाईओवरों के बनने के बाद से शहर की करीब 15 लाख की आबादी को जाम से निजात मिलेगी, और समय भी बचेगा। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि यह भारत का नया उत्तर प्रदेश है, जो विकास की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ पंजाब सरकार का सख्त कदम

अधिकारियों को दिए गए कड़े आदेश

(एजेंसी) चंडीगढ़ । भ्रष्टाचार के खिलाफपंजाब सरकार एक्शन मोड में है। सभी जिलों के डीएम, एसडीएम, एसएसपी और एसएचओ को सख्त आदेश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर कड़ी नजर रखें और इसे रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाएं। भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए यह राज्य सरकार की ओर से उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पंजाब सरकार ने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से यह चेतावनी दी है कि अगर वे अपने क्षेत्र में भ्रष्टाचार पर नियंत्रण करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, राज्य सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफकार्रवाई का मूल्यांकन जनता और स्थानीय विधायकों से लिया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि क्षेत्रीय स्तर पर भ्रष्टाचार को खत्म करने के प्रयास सही दिशा में हो रहे हैं और अधिकारी अपने कर्तव्यों का पालन कर रहे हैं। पंजाब सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम भ्रष्टाचार पर काबू पाने और सरकार के कामकाजी माहौल को पारदर्शी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस कदम का उद्देश्य भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना और पंजाब को एक स्वच्छ और पारदर्शी प्रशासन देना है।

संक्षिप्त समाचार

ममता सरकार को कलकत्ता हाईकोर्ट से लगा झटका, आरएसएस को रैली करने की मिली अनुमति

(एजेंसी) कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार की आपत्तियों को दरकिनार करते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आरएसएस को 16 फरवरी को बर्दवान जिले में रैली करने की सशर्त अनुमति दे दी। कोर्ट के फैसले से ममता सरकार को बड़ा झटका लगा है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जिस रैली को संबोधित करने वाले हैं, उसके आयोजकों ने राज्य पुलिस द्वारा इस आधार पर अनुमति देने से इनकार करने के बाद अदालत का रुख किया था कि चल रही माध्यमिक परीक्षा (माध्यमिक परीक्षा) के दौरान लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से परीक्षार्थियों को परेशानी होगी। बशर्ते आयोजकों को उपस्थित भीड़ की संख्या और लाउडस्पीकर की आवाज पर नियंत्रण रखना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर रोक बढ़ाई

(एजेंसी) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर की गिरफ्तारी पर लगी रोक 17 मार्च तक बढ़ा दी। कोर्ट ने 15 जनवरी को हुई पिछली सुनवाई में गिरफ्तारी पर रोक लगाई थी। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 18 मार्च को होगी। खेडकर की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कोर्ट में बताया कि हमलोग जांच में सहयोग कर रही हैं लेकिन पुलिस ने उन्हें पूछताछ के लिए नहीं बुलाया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा की अग्रिम जमानत अर्जी पर जवाब देने के लिए दिल्ली पुलिस को दिया गया समय भी बढ़ा दिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने पूजा की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।

महाकुंभ मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को राशि लौटाना यूपी सरकार की जिम्मेदारी : अखिलेश यादव

(संवाददाता)

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महाकुंभ मेले में दुकान लगाए दुकानदारों का एक वीडियो जारी कर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को उनकी राशि लौटा दें।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने शुक्रवार सोशल मीडिया मंच एक्स में लिखा कि उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार की ये नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह मेले में घाटा खाकर बैठे दुकानदारों को वो राशि लौटा दे, जिसको लेकर कारोबारियों को दुकानें आवंटित की गईं थीं। भाजपा सरकार की बदइंतजामी की वजह से जब मुख्य मार्ग बंद कर दिए गए या फिर रास्ते बदल दिए गए तो ग्राहक इन दुकानों तक पहुंचते कैसे और कैसे इन व्यापारियों की दुकानदारी चलती। अखिलेश यादव ने आगे लिखा कि इनके नुकसान के लिए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह

उत्तरदायी है। हम सरकार से मांग करते हैं कि इनसे लिया गया धन वापस किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि एक तरफ सरकार ये दावा कर रही है कि महाकुंभ से प्रयागराज व उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में अरबों रुपए जुड़े हैं, तो फिर भाजपा सरकार इन दुकानदारों के कुछ लाख रुपये क्यों नहीं लौटा सकती है। सपा मुखिया ने कहा कि मेले के दुकानदारों के बीच ये चर्चा है कि वो सब लोग मिलकर उत्तर प्रदेश भाजपा सरकार से नारे के रूप में ये मांग करेंगे हमारे पैसे लौटाओ, हमारा घाटा पूरा कराओ। दुकानदार कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा। ज्ञात हो कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव महाकुंभ की व्यवस्था को लेकर सरकार को घेर रहे हैं और सवाल खड़े कर रहे हैं। अखिलेश यादव कहीं घटना के आंकड़े मांगते हैं, तो कहीं जाम तो कभी पानी में गंदगी को लेकर सरकार को घेरते हैं। सरकार की तरफसे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री भी इन कर पलटवार कर रहे हैं।

अमेरिका ने तहव्वुर राणा को भारत सौंपने का निर्णय लिया, उज्जवल निकम बोले ये भारत की बड़ी जीत

(एजेंसी)

मुंबई। अमेरिका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक तहव्वुर राणा को भारत को सौंपने का फैसला किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी मंजूरी दे दी है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पीएम मोदी के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि तहव्वुर राणा को भारत में न्याय का सामना करना होगा। ट्रंप के इस फैसले पर भाजपा नेता और पेशे से वकील उज्जवल निकम ने प्रतिक्रिया दी। उज्जवल निकम ने शुक्रवार को बात करते हुए इसे भारत सरकार की बड़ी जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मजबूत व्यक्तिगत रिश्तों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह भारत सरकार की बहुत बड़ी जीत है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने जो व्यक्तिगत संबंध राष्ट्रपति ट्रंप के साथ बनाए थे, उनका ही परिणाम है कि ट्रंप ने तुरंत यह स्वीकार कर लिया कि वह आतंकवादी तहव्वुर राणा को भारत के हवाले करेंगे। यह एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रंप के व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए निकम ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप एक सख्त व्यक्ति हैं। पीएम मोदी और ट्रंप पहले से एक-दूसरे को जानते हैं। ट्रंप ने खुद कहा था कि पीएम मोदी बहुत कुशल और सफल तरीके से बातचीत करते हैं। यह बात भी संकेत देती है कि ट्रंप भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। हालांकि, ट्रंप एक सख्त शख्सियत हैं, उन्होंने टैरिफ रेसिप्रोकल की भी बात कही है। निकम ने आगे कहा कि अब तहव्वुर राणा को अमेरिका से दिल्ली भेजा जाएगा, जहां एनआईए (नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी) द्वारा उसके खिलाफकेस चलाया जाएगा। यह एक बड़ी साजिश से जुड़ा मामला है, खासकर 26/11 मुंबई हमले का। यह सिर्फ26/11 मुंबई हमले तक सीमित नहीं है, बल्कि और भी कई राज हैं, जिन्हें तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण के बाद खोला जा सकता है।

सीएम योगी का बड़ा खुलासा

महाकुंभ 2025 के आयोजन में यूपी सरकार ने खर्च किए 1500 करोड़ रुपए

(संवाददाता)

लखनऊ । राजधानी में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की मौजूदगी में 114 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस मौके पर तीनों नेताओं ने लोगों को संबोधित किया और उत्तर प्रदेश के विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सराहना की।इस अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ के आयोजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया। उन्होंने बताया कि कुंभ और महाकुंभ आयोजन से यूपी की अर्थव्यवस्था को भारी लाभ होता है। योगी ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन के कारण राज्य की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये का इजाफा होगा। सीएम योगी ने उन लोगों का जवाब दिया, जो पूछते हैं कि 5000-6000 करोड़ रुपये क्यों खर्च किए गए।

उन्होंने बताया कि यह राशि सिर्फ कुंभ के आयोजन पर नहीं, बल्कि प्रयागराज शहर के जीर्णोद्धार पर भी खर्च की गई है। कुंभ के आयोजन में कुल 1500 करोड़ रुपये खर्च हुए, और यदि इसके बदले यूपी की अर्थव्यवस्था को 3 लाख करोड़ रुपये का लाभ हो, तो यह राशि उचित ही खर्च की गई है।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन से राज्य की अर्थव्यवस्था को और भी मजबूती मिलेगी। जब 50-55 करोड़ लोग उत्तर प्रदेश के महाकुंभ में शामिल होंगे, तो इससे उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में 3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि होगी।

सीएम योगी ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर सपूतों को किया नमन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर सपूतों को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान हमें आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा देता है। सीएम ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर शहीदों को नमन किया है। सीएम योगी ने एक्स पर लिखा, पुलवामा के कायरतापूर्ण आतंकी हमले में शहीद हुए सभी अमर वीर जवानों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटिश: नमन! माँ भारती के वीर सपूतों का बलिदान हमें आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने की प्रेरणा देता है। जय हिंद! वर्ष 2019 में आज के ही दिन आतंकियों ने पुलवामा में बड़े हमले को अंजाम दिया था, जिसमें देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों के पर आत्मघाती हमला किया था। इस आतंकी हमले में बेहद शक्तिशाली आईईडी का इस्तेमाल किया गया था। यह पहली बार देखने में आया था कि जब जम्मू-कश्मीर में वाहन में विस्फोटकों से भरे आईईडी का इस्तेमाल किया गया।

38वें राष्ट्रीय खेलों का हल्द्वानी में हुआ भव्य समापन समारोह

राष्ट्रीय खेलों के सफ ल आयोजन से उत्तराखंड में नई संभावनाओं और उम्मीदों की शुरुआत : सीएम धामी

❑ उत्तराखंड की देवभूमि के साथ खेलभूमि के तौर पर भी बनी पहचान : केंद्रीय गृह मंत्री शाह

❑ केंद्रीय गृह मंत्री ने उत्तराखंड द्वारा की गई शानदार व्यवस्थाओं की जमकर सराहना की

(ब्यूरो)

हल्द्वानी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में अन्तरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स स्टेडियम गोलापार, हल्द्वानी में 38वें राष्ट्रीय खेल का समापन समारोह आयोजित किया गया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष श्रीमती पीटी. ऊषा ने 38वें राष्ट्रीय खेल के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले सर्विसेज, महाराष्ट्र और हरियाणा को सम्मानित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड की आयोजन समिति एवं खेल संगठनों की पीठ थपथपाते हुए कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए पूरे देश में उत्तराखंड की तारीफ हो रही है। पूरा देश उत्तराखंड द्वारा की गई शानदार व्यवस्थाओं के गुणगान कर रहा है। भौगोलिक कठिनाइयों के बावजूद उत्तराखंड राज्य ने मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में इस कार्य को कुशलतापूर्वक सम्पन्न किया है। उन्होंने 38वें राष्ट्रीय खेल के सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हार और जीत का खेल से मतलब नहीं है। जीत का जज्बा और हार से निराश न होना, ये खेल का संदेश है। हारने वाले खिलाड़ियों के लिए अगली बार मेडल लाने का मौका है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री धामी के नेतृत्व में 38वें राष्ट्रीय खेलों में इको- फ्रेंडली प्रैक्टिसेज एवं इको फ्रेंडली गेम को धरातल में उतारा गया है। खिलाड़ियों के नाम पर पौधारोपण किया गया। राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों द्वारा कई नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाए गए हैं, इन रिकॉर्डों से अंतरराष्ट्रीय खेलों में भी भारत के लिए पदक की उम्मीद जगी है।

उन्होंने कहा राष्ट्रीय खेलो की यह मशाल उत्तराखंड से अब मेघालय जाएगी। मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कॉनराड संगमा ने यह निर्णय लिया है कि नॉर्थ ईस्ट के सभी राज्यों में कुछ खेलों के आयोजन से पूरे नॉर्थ ईस्ट को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाएंगे। उन्होंने मेघालय के मुख्यमंत्री श्री संगमा को आगामी राष्ट्रीय खेलों के आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों को सफलतापूर्वक आयोजन के साथ उत्तराखंड ने इन खेलों में 24 स्वर्ण पदकों के साथ रिकॉर्ड 103 पदक अर्जित किए। इन परिणामों से हमारे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अतिथि देवो भव: की प्राचीन परंपरा के अनुसार खेलों के आयोजन के दौरान प्रयास किया गया कि विभिन्न राज्यों से पधारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय खेल में आये खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफदेवभूमि उत्तराखंड से अपने इस रिश्ते को बनाए रखेंगे और भविष्य में सपरिवार उत्तराखण्ड की नैसर्गिक सुंदरता को देखने अवश्य आएंगे। उन्होंने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों का समापन आप सभी खिलाड़ियों के लिए खेल अवसरों का अंत नहीं, बल्कि नई उम्मीदों, नए संकल्पों और नई संभावनाओं की एक नई शुरुआत है केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने 38 राष्ट्रीय खेलों के शानदार आयोजन के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के आयोजना के बाद देवभूमि उत्तराखण्ड खेलभूमि भी बन गई है। उन्होंने इस राष्ट्रीय खेल में पदक प्राप्त करने वाले सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश स्पोर्ट्स हब बने इसकी शुरूआत आज से हुई है। खेल मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने कहा कि खिलाड़ियों ने संकल्प से शिखर तक को आत्मसात कर उत्तराखण्डियों को गर्व से अभिभूत किया। राज्य की रजत जयंती को स्वर्णिम बनाया है।

हाथरस में नहर में गिरी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

(संवाददाता) हाथरस। हाथरस जिले के जरेरा गांव के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक कार के नहर में गिरने से एक ही परिवार के चार लोगों की जान चली गई। इस दुर्घटना में दो बच्चों समेत चार लोग मारे गए। पुलिस ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी।पुलिस के अनुसार, यह हादसा बृहस्पतिवार रात हुआ, जब कार सवार लोग अलीगढ़ से एक विवाह समारोह में शामिल होने के बाद एटा जिले के जलेसर लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि मृतकों में बबलू (45), उसके भाई की पत्नी पूनम (35), पूनम की बेटियाँ काव्या (3) और भूमि (1) शामिल हैं। इस दुर्घटना में कुल 9 लोग सवार थे, जिनमें से 5 लोग घायल हो गए हैं। घायलों को सिकंदरा राऊ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के लिए भर्ती किया गया है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। इस हादसे ने पूरे इलाके को शोक में डूबो दिया है और परिजनों का हाल बेहाल है।

दिव्यांग छात्र ऋषभ को मिली ट्राइसाइकिल

संवाददाता

सुल्तानपुर। जिले के कुड़वार ब्लॉक संसाधन केंद्र पर समग्र शिक्षा ,राज्य परियोजना कार्यालय लखनऊ द्वारा संचालित दिव्यांग छात्रों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के लिए। प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत नोडल टीचर प्रधानाध्यापकों की 5 दिवसीय समावेशी शिक्षा प्रशिक्षण दिनांक 11फरवरी से गतिमान है। प्रशिक्षण में ब्लॉक के 51 नोडल टीचरध् प्रधानाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। प्रशिक्षण में दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने एवं लिखाने की गतिविधि तथा विभिन्न प्रकार के दिव्यांगता के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को विस्तृत रूप से बताया गया। संदर्भदाता सरजू प्रसाद पाठक और अशोक कुमार मौर्य ने अधिगम अक्षमता तथा उनके लक्षणों के बारे विस्तारपूर्वक उल्लेख किया। प्रशिक्षण के दौरान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक अध्यक्ष निजाम खान और संदर्भदाता सरजू प्रसाद पाठक ने समग्र शिक्षा के समेकित शिक्षा अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय चितईपुर में पढ़ रहे कक्षा एक के दिव्यांग छात्र ऋषभ को ट्राई साइकिल प्रदान की गई। इस मौके पर मंत्री बृजेश मिश्र, प्रेमलता त्रिपाठी, फैज उल्ला अंसारी, शिव पूजन पाण्डेय, रमेश तिवारी, हरगोविंद तिवारी, नसीम अहमद, शिवेंद्र पांडे, देवेश पाण्डेय, ऊषा मौर्य, मारिया सुल्ताना, पूनम अग्रवाल, सुधा मिश्रा, चंद्रकला, फैयाज अहमद, मुख्तार अहमद, धनंजय सिंह, मकरध्वज, अनिल सिंह, अरविंद शर्मा, हसन अली, गजनफर अली, सुरेश यादव, धर्मेंद्र तिवारी, अमान उल्लाह, राजश्री, अनिल पाण्डेय, इत्यादि नोडल टीचर प्रधानाध्यापकों ने प्रशिक्षण में उपस्थित रहे।

लगातार काटा जा रहा है पीपल का पेड़ नहीं रुकवा पाए डीएफओ

संवाददाता

अंबेडकर नगर। जनपद के महरुआ थाना क्षेत्र के नरहरपुर बाजार के बगल में तालाब है और उसके बगल में खाली जमीन पड़ी हुई है जिसमें करीब तीन पेड़ पीपल के पेड थे उसे काट कर धराशाई कर दिया गया जिसकी शिकायत रेंजर से की गई लेकिन रेंजर द्वारा पेड़ को रोका नहीं गया और जुर्माना लगाकर छोड़ दिया गया और पेड़ कट गया माना जाता है कि इसे काटने की मनाही है मान्यता है कि पीपल की पूजा से शनि देव की कृपा प्राप्त होती है अगर कोई पीपल के वृक्ष को नुकसान पहुंचता है तो उसे शनि का कोप झेलना पड़ सकता है शास्त्रों के अनुसार पीपल का पेड़ कटते हुए देखने से शनि दोष लगता है पीपल के पत्ते के सेवन से मनुष्य को काफी लाभ पहुंचता है कैल्शियम की मात्रा काफी ज्यादा होती है ऐसे में इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए नहीं तो कैल्शियम की शरीर में अधिकता हो सकती है पीपल एक जीवन रक्षक और दिनों रात ऑक्सीजन देने का काम करता है लेकिन इस घोर कलयुग में लोग इस पेड़ को भी नहीं छोड़ रहे हैं लगातार इसे काटते जा रहे हैं पीपल का पेड़ क्यों नहीं काटना चाहिए पीपल का पेड़ काटना अशुभ माना जाता है क्योंकि इस भगवान विष्णु का वास स्थान माना जाता है पीपल को काटने से जुड़ी मान्यताओं के बारे में जानकारी मिली है कि काटने से घर की सुख समृद्धि खत्म होने की आशंका रहती है पितृ दोष लगता है पीपल को काटने वाले को शनि का कोप झेलना पड़ सकता है इसकी पूजा की जाती है इसके बाद किसी मंदिर में रख देना चाहिए लेकिन इस घोर कलयुग में लगातार महरुआ पुलिस और वन विभाग द्वारा ऐसे वृक्ष को भी नहीं छोड़ा जा रहा है जो देने के सिवा कुछ लेता नहीं ऐसी स्थिति अंबेडकर नगर में बनी हुई है कि आने वाले समय में लोगों को ऑक्सीजन मिलना बंद हो जाएगा जब डीएफओ रेंजर दोनों से शिकायत के बाद पैसे के आगे अंधे हो चुके हैं और पीपल का पेड़ कटवा रहे हैं।

श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार पर भड़की कांग्रेस डीएम को सौंपा ज्ञापन

प्रशासन ऐसे पुलिस कर्मियों को करें बर्खास्त अन्यथा कांग्रेस करेगी आंदोलन : अभिषेक सिंह राणा

संवाददाता

सुल्तानपुर। श्रद्धालुओं के साथ दुर्व्यवहार पर कांग्रेसियों ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की है।जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा व शहर अध्यक्ष शकील अंसारी सहित दर्जन भर कांग्रेसी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें शिकायती पत्र सौंपा। बताते चलें कि विगत 11 फरवरी को अयोध्या जा रहे श्रद्धालुओं के साथ कूरेभार स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के समीप श्रद्धालुओं के साथ पुलिस ने गाली गलौज करते हुए धक्का मुक्की और लाठी चार्ज किया था, जिसका वीडियों भी सोशल मीडिया और मीडिया मे वायरल हुआ था। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेसियों ने मांग की है कि कूरेभार थाना अध्यक्ष को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाए, उक्त थाना अध्यक्ष के कृत्यों की जांच कमेटी बनाकर कराई जाए जिनमें उन सभी प्रकरण को शामिल किया जाए जिसमें थानाध्यक्ष शारदेंदु दुबे की उपस्थिति अथवा सहभागिता रही हो। उक्त जांच 15 दिनों के अंदर में पूर्ण कर रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए अन्यथा कांग्रेस पार्टी लापरवाह व अभद्र पुलिस अधिकारियों के प्रति आंदोलन करने हेतु बाध्य होगी, इन मांगों को लेकर कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी से मिलकर उन्हें ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहा कि पुलिस का यह व्यवहार समाज के लिए बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो श्रद्धालु जाम में फंसे हैं उनकी मदद के बजाय उन पर लाठियां बरसाई जा रही है यह पुलिस की तानाशाही को दर्शाता है। एक तरफ प्रदेश सरकार श्रद्धालुओं को आमंत्रित कर रही है दूसरी तरफइनकी पुलिस श्रद्धालुओं के साथ धक्का मुक्की और लाठीचार्ज कर उन्हें अपमानित कर रही है, उन्होंने कहा कि प्रदेश ही नहीं देशभर के अलग-अलग हिस्सों से तस्वीर सामने आ रही है जो श्रद्धालु जाम में फंसे हैं लोग बिना भेदभाव के उन श्रद्धालुओं की मदद कर रहे हैं लेकिन सुल्तानपुर की पुलिस उनकी मदद की बजाय उन पर लाठियां बरसा रही है जो बहुत ही निंदनीय है। जिला प्रशासन ऐसे अधिकारियों के प्रति विधिक कार्यवाही करें अन्यथा कांग्रेस के लोग सड़क पर उतरने को मजबूर होंगे। शहर अध्यक्ष शकील अंसारी ने कहा कि कूरेभार थाना अध्यक्ष शरदेंदु दूबे का श्रद्धालुओं के प्रति रवैया बेहद दुखद है जिला प्रशासन को ऐसे पुलिस अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। इस मौके पर जिला प्रवक्ता नफीस फारुकी अमोल बाजपेयी, उपाध्यक्ष सुब्रत सिंह सनी,सुरेन्द्र मिश्र, महिला नेत्री मीनू यादव,श्याम लगन,शीतला साहू आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने राजकीय कन्या इन्टर कालेज के स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

संवाददाता

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने राजकीय कन्या इन्टर कालेज के स्ट्रांग रूम व कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होने परिसर में निर्माणाधीन कक्षों, लैब आदि को देखा। उन्होने पाया कि कन्ट्रोल रूम में टेबल कम व नेटवर्क की समस्या है। इस पर उन्होने प्रधानाचार्य व अवर अभियन्ता को बोर्ड परीक्षा को शुचितापूर्ण कराने के दृष्टिगत टेबल बढ़ाने व अन्य कम्पनी के नेटवर्क जुड़वाने तथा बोर्ड परीक्षा, 2025 के पहले स्ट्रांग रूम को सुदृढ़ करने हेतु निर्देश दिया। उन्होने पाया कि कक्षों के निर्माण कार्य पूर्ण व अन्तिम स्तर पर है तथा विद्युत, सी0सी0टी0वी0 कैमरे व खिड़कियों में शीशें नहीं लगे है। अवर अभियन्ता को निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षा के पहले विद्युत, सी0सी0टी0वी0 कैमरे व खिड़कियों में शीशें लगवा दिये जाएं, जिससे बोर्ड परीक्षा में कक्षों को उपयोग में लाया जा सके। निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था यूपीसिडको द्वारा कराया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

स्थानीय विधाओं को विकसित करने, निखारने एवं देश एवं प्रदेश स्तर पर प्रसिद्ध करने हेतु जिला महोत्सव का आयोजन

संवाददाता

अंबेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह के निर्देश के क्रम में अवगत कराना है कि जनपद अम्बेडकरनगर का सृजन 29 सितम्बर, 1995 को हुआ। जनपद सृजन के उपरान्त से अनेकों महान विभूतियों के द्वारा अम्बेडकरनगर के विकास, विरासत एवं सांस्कृतिक धरोहर को आगे बढ़ाने के लिए अद्वितीय एवं अतुलनीय योगदान दिया गया है। जनपद अम्बेडकरनगर पवित्र सलिला सरयू और तमसा की कल-कल करती जल लहरों से अभिसिंचित भूखण्ड पर आबाद होकर लगातार विकास के नित्य नये आयाम गढ़ते हुए जनपद वासियों के सुख समृद्धि एवं विकास की ओर अग्रसर होते हुए कई दृष्टिकोण से अपनी खास पहचान के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश का तीव्र गति से उन्नति करने वाला जिला है। जनपद के 29 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन की तरफ से जनपद की सामाजिक, सांस्कृतिक, कलात्मक एवं अन्य स्थानीय विधाओं को विकसित करने, निखारने एवं देश एवं प्रदेश स्तर पर प्रसिद्ध करने हेतु जिला महोत्सव का आयोजन दिनांक: 22 फरवरी, 2025 से 24 फरवरी, 2025 तक अकबरपुर हवाई पट्टी पर किया जा रहा है। महोत्सव कार्यक्रम में व्यापक जन जागरण एवं लोक रंजन हेतु देश एवं प्रदेश के प्रख्यात कलाकार श्री शबाब शाबरी, लोकप्रिय भोजपुरी गायिका अक्षरा सिंह, इण्डियन आइडियल के विजेता श्री सलमान अली, गायक अल्ताफ रजा, भोजपुरी जगत में अपनी अनूठी पहचान रखने वाले प्रसिद्ध अभिनेता श्री खेसारी लाल यादव एवं ममता शर्मा द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार सांस्कृति कार्यक्रमों की रंगा-रंग प्रस्तुति की जायेगी। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा रंगोली, पेन्टिंग, विज्ञान प्रदर्शनी, मैराथन दौड़ के साथ अन्य मनमोहक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त हथकरघा उद्योग, झूला, मेला, प्रदर्शनी आदि का भी आयोजन किया जायेगा। जिलाधिकारी द्वारा सभी से अनुरोध किया गया है कि जनपद के इस विकास एवं विरासत महोत्सव को सफल एवं यादगार बनाने हेतु प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सम्पन्न कराने का कष्ट करें।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु मीटिंग हाल, जनपद न्यायालय परिसर में बैठक

संवाददाता

अंबेडकर नगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के क्रम में श्री राम सुलीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश महोदय/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर के निर्देशानुसार माह मार्च में दिनांक 08.03.2025 दिन शनिवार को जनपद न्यायालय, परिसर, पारिवारिक न्यायालय, कलेक्ट्रेट, जनपद की समस्त तहसीलों, उपभोक्ता फोरम एवं जनपद अम्बेडकरनगर के अन्य विभागों में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु मीटिंग हाल, जनपद न्यायालय परिसर, अम्बेडकरनगर श्री राम सुलीन सिंह, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अम्बेडकरनगर की अध्यक्षता में जनपद न्यायालय अम्बेडकरनगर के सन्मानित न्यायिक अधिकारीगण के साथ आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में जनपद न्यायालय में लम्बित वादों नियत करने एवं अधिक से अधिक संख्या में निस्तारित किये जाने हेतु बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में डा0 श्रीमती जया पाठक, अपर जिला जज प्रथम, श्री राम बिलास सिंह, विशेष न्यायाधीश, एस0सी0/एस0टी0 अधिनियम, श्री मोहन कुमार, विशेष न्यायाधीश, पाक्सो अधिनियम/नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय लोक अदालत, श्री सुशील कुमार-चतुर्थ, अपर जिला जज, त्वरित प्रथम, श्री परविन्द कुमार, अपर जिला जज, त्वरित द्वितीय, श्री भारतेन्दु प्रकाश गुप्ता, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अम्बेडकरनगर, श्रीमती सुधा यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्रीमती ज्योत्सना मणि यदुवंशी, अपर सिविल जज, सी0डि0ध्ए0सी0 जे0एम, सुश्री गार्गी, सिविल जज, सी0डि0 त्वरित, श्रीमती मेघा चौधरी, सिविल जज, जू0डि0, श्री अभिषेक सिंह, सिविल जज जू0डि0/जे0एम0, टाण्डा, श्री राजन राठी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, सुश्री जान्हवी वर्मा, सिविल जज, जू0डि0, त्वरित एवं सुश्री आश्री शाह, सिविल जज, जू0डि0, त्वरित प्रथम उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

एसीवोल्ट कर्षण को चालू करना 25000 "सड़क उपयोगकर्ताओं को चेतावनी"

जन साधारण की सूचना के लिए अधिसूचित किया जाता है कि पूर्वोत्तर रेलवे के **गोरखपुर कैन्ट–गोरखपुर ज0** तीसरी लाईन खण्ड पर 25000 विद्युत कर्षण आरम्भ करने के लिए सभी समपारों पर सड़क सतह से अधिकतम 4.78 मीटर ऊँचाई की गेजे लगाई गई है, ताकि बहुत अधिक ऊँचाई वाली लोडेड सड़क वाहन को विद्युतमय कर्षण तार की खतरनाक सन्निकता या संपर्क में आने से रोका जा सके। जन साधारण को एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि सड़क वाहनों के लदान के प्रयोजन के लिए उक्त विनिर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और यह देखें कि सड़क वाहन में ढोये जा रहे लोड से किसी भी स्थिति में ऊँचाई गेजों का अतिक्रमण न करें। **अत्यधिक ऊँचाई के लोड के खतरे निम्नानुसार है–** 1. ऊँचाई गेज के लिए खतरा और उसके फलस्वरूप सड़क और रेलवे लाइन पर बाधा। 2. वाहन पर ले जाये जा रहे सामाग्रियों या उपकरण को खतरा। 3. चालकों की खतरनाक सन्निकटता या सम्पर्क के कारण आग लगने का खतरा और जीवन की हानि का खतरा।

उप मुख्य विद्युत इन्जीनियर/निर्माण
मुजाधि/विद्युत–243 गोरखपुर

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना संख्या NER-BSB0SnT-OT-02-2025

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिगनल एवं दूरसंचार/पूर्वोत्तर रेलवे/वाराणसी कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये "खुली ई–निविदा" आमंत्रित की जाती है :–

क्रमांक-1 निविदा सूचना संख्या एवं कार्य का नाम: NER-BSB0SnT-OT-02-2025: कार्य का नाम: वाराणसी मंडल में व.म.सि.दू.ई.-II/वारा. महोदय के सेक्शन में विभिन्न इंजीनियरिंग कार्य के संबंध में सिगनलिंग कार्य। **विवरण:** अनुमानित लागत: ₹ 3,68,42,392.69, बयाना की राशि: ₹ 3,34,200/-, निविदा प्रपत्र की कीमत: ₹ 00.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 12 माह, निविदा बंद होने की अंतिम तिथि एवं समय: 06-03-2025 को 15:00 बजे।

(1) ई-निविदा दिनांक 06-03-2025 को 15:00 बजे तक आन लाईन जमा किया जा सकेगा। (2) पूर्ण विवरण की जानकारी प्राप्त करने एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिये भारतीय रेलवे की वेबसाईट i.e. *www.ireps.gov.in* देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक/सिंग. एवं दूरसंचार
मुजाधि/सिगनल-99 वाराणसी

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

परीक्षाओं को शांतिपूर्ण माहौल में नकल विहीन और सुचित्रा पूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन के साथ ही साथ शिक्षा विभाग द्वारा अपनी समस्त तैयारी पूर्ण

संवाददाता

अंबेडकर नगर। हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड-2025 की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होगी। परीक्षाओं को शांतिपूर्ण माहौल में नकल विहीन और सुचित्रा पूर्ण ढंग से संपन्न करने के लिए जिला प्रशासन के साथ ही साथ शिक्षा विभाग द्वारा अपनी समस्त तैयारी पूर्ण कर ली गई हैं। यूपी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर, अंबेडकर नगर के आडिटोरियम हॉल में जिलाधिकारी श्री अविनाश सिंह व पुलिस अधीक्षक श्री केशव कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षण शिविर एवं बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बोर्ड परीक्षाओं को लेकर समस्त जोनल, सेक्टर, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक, सहायक केंद्र व्यवस्थापक, बाह्य केंद्र व्यवस्थापक एवं सचल दल और विभिन्न व्यवस्थाओं के प्रभारियों को उनके दायित्वों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि इस वर्ष जनपद में कुल 113 परीक्षा केंद्रों पर हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट की परीक्षा संपन्न होगी। जिसमें हाई स्कूल के कुल 35254 तथा इंटरमीडिएट के कुल 36117 परीक्षार्थी कुल 71371 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। हाई स्कूल की परीक्षा प्रथम पाली में पूर्वाह्न 8:30 से 11:45 बजे तक तथा इंटरमीडिएट की परीक्षाएं द्वितीय पाली में अपराह्न 2:00 से 5:15 बजे तक होंगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा को सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने की दृष्टिगत समस्त परीक्षा केंद्रों को कल 5 जोन व 27 सेक्टर में विभाजित किया गया है। प्रत्येक जोन में एक-एक जोनल मजिस्ट्रेट, प्रत्येक सेक्टर में एक-एक सेक्टर मजिस्ट्रेट के साथ-साथ प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक-एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं एक-एक केंद्र व्यवस्थापक एवं वाह्य केंद्र व्यवस्थापक लगाए गए हैं। इसी के साथ ही 6 सचल दल बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि समस्त परीक्षा केंद्रों एवं परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरे एवं वॉइस रिकॉर्डर की भी व्यवस्था सुनिश्चित कर ली गई है।परीक्षा पर सतत निगरानी हेतु कंट्रोल रूम की स्थापना कर दी गई है। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रत्येक दशा में बोर्ड परीक्षा को नकल विहीन एवं सूचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराई जाने हेतु ड्यूटी पर लगे समस्त मजिस्ट्रेट एवं कार्मिकों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक सहित समस्त कर्मचारी अपनी ड्यूटी के प्रति सतर्क रहें, अपने दायित्वो का सम्यक निर्वहन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरतें। उन्होंने समस्त मजिस्ट्रेटों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को आपस में समन्वय स्थापित कर अपने दूरभाष नंबरों का आदान-प्रदान कर लेने तथा अपने-अपने केंद्रों का पुनः भौतिक निरीक्षण कर परीक्षा से संबंधित समस्त मूलभूत सुविधाओं यथा प्रकाश, पेयजल, साफ सफाई, डेस्क, शौचालय आदि की उपलब्धता समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी एवं वॉइस रिकॉर्डर की क्रियाशीलता को तकनीकी विशेषज्ञों के साथ आवश्यक जांच लें। उन्होंने कहा कि संवेदनशील एवं अति संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

यात्रियों को राहत सामग्री पहुँचाने सड़क पर उतरे भाजपा कार्यकर्ता - चंदन नारायन

संवाददाता, सुल्तानपुर। प्रयागराज व अयोध्या आने जाने वाले श्रद्धालुओं को भाजपा पदाधिकारियों नें जगह जगह कैंप लगाकर खाना पानी व दवा मुहैया कराना शुरू कर दिया है। वहीं सुल्तानपुर-अयोध्या बाईपास के समीप भाजयुमो जिलाध्यक्ष चन्दन नरायन सिंह के नेतृत्व में लगातार प्रतिदिन भण्डारा किया जा रहा है।24 घंटे पानी की व्यवस्था, रूकने की व्यवस्था नि:शुल्क युवा मोर्चा द्वारा किया गया है। जिसमे सोमवार के दिन तहरी व गन्ने का जूस जिलाध्यक्ष डॉ आर ए वर्मा की उपस्थिति में बांटा गया।महाकुम्भ में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी संख्या के चलते पुलिस प्रशासन के साथ ट्राफ्फिक व्यवस्था में भी भा ज पा के युवा पदाधिकारी लगाए गए हैं। चन्दन नारायन ने बताया प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जिलाध्यक्ष डॉ आर ए वर्मा जी ने सात टोली बनाकर जनपद के मुख्य स्थानों पर कैंप लगवाए है, जिससे जाम में फ्से श्रद्धालुओं को कुछ मदद मिल सके।जिसमें मुख्य रूप से पूर्व महामंत्री कृपा शंकर मिश्रा,जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ,जिला महामंत्री भाजयुमो सचिन पाण्डे,आतमजीत सिंह,कोमल श्रीवास्तव,अमित सिंह,राजा सिंह,चंदन श्रीवास्तव,मनीष सिंह,शिवम सिंह अमन श्रीवास्तव आदि डटे हुए हैं।

IIT 2025 में आयुष सिंह ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर किया जिले का नाम रोशन

संवाददाता, बल्दीराय, सुल्तानपुर। आयुष सिंह पुत्र विमल प्रकाश सिंह निवासी मेघमऊ तहसील बल्दीराय ने ग्रामीण क्षेत्र में पर्याप्त संसाधन नहीं होने बावजूद भी कड़ी मेहनत करके IIT 2025 परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की है। आयुष के पिता श्री विमल प्रकाश सिंह खुद एक शिक्षक है। आयुष की इस उपलब्धि पर परिवार, इष्ट-मित्रों और शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।आयुष सिंह की सफलता ने क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया है।

आई आई टी में सफलता मिलने पर दी बधाई

संवाददाता, सुल्तानपुर। जिले के दूबेपुर ब्लॉक अंतर्गत गांव पूरे रामदास का पुरवा निवासी ग्रामीण क्षेत्र के निवासी आर्यन को आई आई टी में सफलता मिलने पर शुभचिंतकों ने बधाई दी है।पर्याप्त संसाधन नहीं होने बावजूद कड़ी मेहनत से आर्यन तिवारी ने IIT परीक्षा 2025 मे सफलता हासिल किया। परिजनों और ग्रामवासियों में खुशी का माहौल है।आर्यन तिवारी के पिता अखिलेश तिवारी आदर्श शिक्षामित्र वेल्फेयर एसोशिएशन सगठन के दूबेपुर ब्लॉक के अध्यक्ष है।आर्यन तिवारी के IIT चयन में माता संगीता तिवारी का अहम योगदान रहा।

महाकुंभ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए SDM सदर ने किया पयागीपुर रैन बसेरे का निरीक्षण

संवाददाता, सुल्तानपुर। महाकुंभ श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए एसडीएम सदर विपिन कुमार द्विवेदी ने पयागीपुर रैन बसेरा और आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। इस निरीक्षण के दौरान उन्होंने मातहत अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष दिशा-निर्देश दिए, जिससे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।एसडीएम सदर लगातार भ्रमण कर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि आने-जाने वाले श्रद्धालुओं को आवास, सफाई और अन्य जरूरी सुविधाओं की कोई कमी न हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।निरीक्षण के दौरान नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी (ईओ) लाल चंद सरोज, समाजसेवी डॉक्टर सुधाकर सिंह सहित कई सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता और तहसील राजस्व कर्मी भी मौजूद रहे। प्रशासन द्वारा महाकुंभ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपनी यात्रा पूरी कर सकें।

घूस लेते एंटी करप्शन टीम ने हल्का लेखपाल पकड़ा, लेखपाल संघ ने जताया विरोध

संवाददाता, बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के एक लेखपाल को गोरखपुर विजिलेंस टीम (टपहपसंदबम जमंउ) ने घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। लेखपाल ने जैसे ही किसान के हाथों से रुपए लिए वैसे ही आसपास छिपे विजिलेंस के अधिकारी-कर्मचारी सामने आ गए। इस तरह रंगे हाथों पकड़े जाने पर लेखपाल हैरान रह गया। लेकिन वह जब तक कुछ कर पाता विजिलेंस टीम ने उसे दबोच कर गाड़ी में बैठा लिया। इसके तुरंत बाद टीम आरोपी लेखपाल को लेकर कोतवाली चली गई।मामला बस्ती की सदर तहसील के बहादुरपुर विकास खंड का है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी लेखपाल बहादुरपुर विकास खंड के अगई भगाड़ ग्राम पंचायत में तैनात है। किसान ने विजिलेंस से उसकी शिकायत की थी। किसान का कहना था कि लेखपाल ने जमीन से संबंधित काम के लिए उससे रिश्वत मांगी थी। वह पिछले कई दिनों से किसान को दौड़ा रहा था। किसान का कहना है कि वह बहुत परेशान हो गए थे। प्राप्त समाचार के अनुसार - एंटी करप्शन टीम ने तहसील सदर में तैनात लेखपाल वेद प्रकाश दुबे को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद टीम उन्हें कोतवाली लेकर पहुंची, जहां लेखपाल संघ के पदाधिकारी व अन्य सदस्य एकत्रित हो गए। लेखपाल संघ के लोगों ने एंटी करप्शन टीम पर आरोप लगाते हुए कहा कि टीम ने जबरन लेखपाल की जेब में पैसे डाले और फिर उसे पकड़ लिया। संघ के सदस्यों ने इसे अनुचित कार्रवाई बताते हुए विरोध जताया और निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं, एंटी करप्शन टीम का कहना है कि उनके पास पूरे साक्ष्य मौजूद हैं और लेखपाल से पूछताछ जारी है। सदर कोतवाली में इस पूरे मामले को लेकर गहमागहमी का माहौल बना हुआ है। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है और एंटी करप्शन टीम अपने स्तर पर आगे की कार्रवाई कर रही।

उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह का मनाया गया जन्मदिन

संवाददाता, बस्ती। कप्तानगंज विधानसभा क्षेत्र 308 के सैनिया चौराहा चिलमा बाजार में एनडीए गठबंधन उत्तर प्रदेश सरकार में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के जन्मदिन के अवसर पर जिला महासचिव राष्ट्रीय लोक दल अभय पटेल के नेतृत्व में सैकड़ो समर्थकों के साथ मंत्री का जन्मदिन बहुत ही हर्ष उल्लास से जन्मदिन मनाया गया समाजसेवी राधेश्याम यादव बब्बू यादव डी एन उर्फ सनी डॉ राम महेश चौधरी राणा चौधरी नीरज यमरान शिवम् कुमार सुनील चौधरी कृष्णा रंजीत आदि लोग मौजूद रहे।

चार पुलिस कर्मियों पर दलित युवक को मारने पीटने का आरोप: डीआईजी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

संवाददाता, बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के कोल्हुआ निवासी अजय पुत्र बाबूलाल ने एसपी और डीआईजी को पत्र देकर कहा है कि वह पेश से मजदूर और दलित वर्ग का है। उसके गांव में भगवान शंकर और काली माता का मंदिर सबके सहयोग से बनवाया गया है। गत 5 फरवरी को अज्ञात चोर शंकर जी के हाथ से त्रिशूल चुरा ले गये। इस मामले में 10 फरवरी को पुरानी बस्ती पुलिस द्वारा उसे थाने पर बुलवाया गया । वह अपने पिता और ग्राम प्रधान के साथ थाने पर पहुंचा। उसे थाने पर बैठा लिया गया और थानाध्यक्ष के कहने पर चार पुलिसकर्मियों ने उसे बेल्ट से बुरी तरह से मारा पीटा। उस पर पुलिस वालों ने दबाव बनाया कि जुर्म स्वीकार कर लो या दूसरे किसी का नाम बताओ। उससे 5 हजार की मांग किया गया, पुलिस वालों ने कहा कि रूपया दो नहीं तो और पिटाई होगी। उसके पिता और ग्राम प्रधान थाने से उसे छुडाकर लाये। कोल्हुआ निवासी अजय पुत्र बाबूलाल ने एसपी को पत्र देकर मांग किया है कि चार पुलिस कर्मियों की पहचान कर उसे मारने पीटने, धमकी देने के मामले में मुकदमा दर्ज कर न्याय दिलाया जाय।

जाति के आधार पर देश में कोई भी महान नहीं हो सकता : विभाग कार्यवाह सच्चिदानंद

कुत्सित मानसिकता व अराजकतत्वों से मुक्ति के लिए हर हिन्दू को रविदास की भूमिका में आना पड़ेगा

संवाददाता

मिर्जापुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मिर्जापुर के तत्वावधान में नगर के दुर्गा बाजार स्थित संघ कार्यालय के शव धाम के सभागार में संतशिरोमणिरविदासजयंती बुधवार को प्रातरू काल मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य वक्ता विन्ध्याचल विभाग के विभाग कार्यवाह सच्चिदानंद एवं नगर संघचालक अशोक सोनी द्वारा संतरविदास जीके चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर किया गया। विभाग कार्यवाह सच्चिदानंद ने अपने उद्बोधन मे संत परंपरा के वाहक, द्योतक, उपासक, संत शिरोमणिरविदास जयंतीके पावन अवसर पर हार्दिक शुभकामना व्यक्त करते हुए कहाकि यह देश परंपराओं से भरा पड़ा है। दुनिया के अंदर इसकी श्रेष्ठता और महानता का कारण है। अलग-अलग कारणों से इस देश की महानता की चर्चा होती है। संपूर्ण दुनिया के अंदर देश की प्रतिष्ठा, स्वीकार्यता देश को उन्नत शीर्ष पर ले जाने, पहुचाने का कार्य देश के संतो मनीषियों महापुरुषों ने किया है। अपनी परंपराओं से जुड़ने के साथ-साथ महापुरुषों ने अपने लिए और अपनों के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के लिए और देश के उद्धार के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया। विकट परिस्थितियों में समाज के सामने चुनौती, सनातन धर्म के काम में संकट के दौरान उस कालखंड में ईश्वर शक्ति के रूप में संतरविदासजी का प्राकट्य हुआ। जब सामाजिक विषमता चरम पर थी, छुआछूत का स्थान उच्च शिखर पर था। समाज में कटुता और विषमता के कारण मानवता अट्टहास कर रही थी। उस करुण क्रंदन को दूर कर मानवीय संवेदनाओ के समानताओं के लिए नारायण को नर रूप में आना पड़ता है। हर व्यक्ति को कहीं ना कहीं जन्म लेना पड़ता है। जन्म किस कुल खानदान में होगा। यह हम निर्धारित नहीं करते, बल्कि व्यक्ति कर्म के आधार पर शिखर को चूम लेता है। कहाकि जाति के आधार पर देश में कोई महान नहीं हो सकता, श्रेष्ठ परंपरा जाति में जन्म लेकर नहीं, बल्कि उसके लिए कर्म करने पड़ते हैं, कर्म के आधार पर ही व्यक्ति की महानता परिलक्षित होती है। उन्होंने कहा कि संत शिरोमणि का जन्म 1398 एवं देहावसान 1520 में काशी मे हुआ था। रामानंद उनके गुरु थे और रविवार को जन्म लेने के कारण इनका नामरविदासपड़ा। शुद्ध शाकाहारी जीवन जीने वालेरविदासने आजीवन कर्म का तिरस्कार नहीं किया, बल्कि दृढ़ता, तल्लीनता के साथ अपने कर्म को करते हुए हर क्षण बुराई दूर करने का प्रयत्न करते रहे। एक तरफ परिवार चलाने, तो दूसरी तरफ चुनौतियों का सामना भी करना था। इन सबके बावजूद गंगा मैया के प्रति अटूट श्रद्धा थी। गंगा मैया ने आशीर्वाद दिया था कि जिस क्षण परिस्थिति में पुकारोगे उपस्थित रहूंगी और हर असंभव कार्य को करूंगी। गंगा मैया के प्रति समर्पण के बावजूद कर्म की प्रधानता के कारणरविदासरोज गंगा स्नान नहीं कर पाते थे, अपना कार्य करते हुए समाज के लिए कार्य करने वाले के लिए भगवान भी खड़े रहते हैं। बताया कि एक बार गंगा स्नान करने व्यस्तताओं के कारण जबरविदासनहीं जा सके, तो एक ब्राह्मण से सुपारी भेज दिया और कहा कि गंगा में मेरी सुपारी मां के हाथ में दे देना और इस आवाहन के साथ कि तुम्हारे भक्तरविदासने इसे भेजा है। गंगा स्नान को गया ब्राह्मण मां गंगा का आह्वान कर बताया किरविदासने उससे मां के लिए सुपारी भेजी है, तो मां गंगा का हाथ बाहर निकला मां ने सुपारी प्राप्त किया और एक अलौकिक सोने का कंगनरविदासको देने के लिए दे दिया, लेकिन ब्राह्मण के मन में लालच आ गई और वह उस समय काशी नरेश राजा रघुराज प्रताप सिंह के पास कंगन लेकर चले गए। सोने का कंगन देखकर काशी नरेश ने रानी की अपेक्षा पर दूसरे हाथ का कंगन मांगा, लेकिन ब्राह्मण ने दे पाने मे असमर्थता जताई। इस पर काशी नरेश ने कहा कि 3 दिन के अंदर दूसरे हाथ का कंगन नहीं दिया, तो तुम्हें सपरिवार मृत्युदंड मिलेगा। ऐसे में ब्राह्मण नेरविदासको प्रणाम कर सारी बात बताई। ब्राह्मण के रक्षार्थ संतरविदासने कटौती में से मां गंगा का आवाहन कर उन्हें प्रकट किया, तो मां गंगा ने दूसरे हाथ का कंगन भी दिया और अंतर्ध्यान हो गई। यह जानकारी होते ही काशी नरेश भेष बदलकररविदासके पास पहुंचे तो दिव्य दृष्टरविदासने उन्हें पहचान लिया। उन्होंने कहा कि संतरविदासशरीर की शुद्धता के लिए नहीं, बल्कि मन की शुद्धता के लिए प्रेरणा देते थे। इसके संबंध में तमाम अनछुए प्रश्न और कहानियां है।रविदासके कालखंड में शासन कर रहे सिकंदर लोदी ने फरमान भिजवाया और उन्हें दिल्ली बुलाया। कहा कि इस्लाम कबूल कर लो, नहीं तो मौत के घाट उतार दिए जाओगे।रविदासने कहा- हिंदू धर्म नहीं छोड़ सकता, इस्लाम पोखरा और हिंदू धर्म गंगा है। गंगा को छोड़कर पोखरा नहीं जाएंगे यानी संतरविदासने इस्लाम को पोखरे की संज्ञा दी।

जमीन बंटवारे को लेकर देवर ने भाभी को उतारा मौत के घाट

संवाददाता, उरई (जालौन)। रामपुरा थाना क्षेत्र के अंर्तगत पड़ने वाले ग्राम हुसेपुरा में बुधवार की देर शाम जमीन बंटवारे को लेकर देवर व भाभी के विवाद हो गया देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि देवर ने भाभी की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची थाना पुलिस मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज देने के साथ हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार रामपुरा थाना क्षेत्र के अंर्तगत पड़ने वाले ग्राम हुसेपुरा निवासी श्रीमती रामश्री वर्मा का देवर शिवकुमार वर्मा से जमीन बंटवारे को लेकर विवाद हो गया इसी विवाद को लेकर देवर शिवकुमार ने अपनी भाभी रामश्री की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी और मौके से फरार हो गया।घटना की सूचना मिलते ही थाना पुलिस और अधिकारी मौके पर फेरेंसिक जांच टीम के साथ पहुंचे और मामले की जांच शुरु करने के साथ आरोपी देवर की तलाश में पुलिस ने दविशें देना शुरू कर दी है। पुलिस ने मृतका के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

राशन उपभोक्ता ने की कोटेदार के खिलाफ मारपीट

संवाददाता, उरई (जालौन)। आल इंडियन फेयर प्राइस शाप डीलर एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष जयदेव यादव के नेतृत्व में श्रीमती चंचल मिश्रा, सुशील शर्मा, रफीक अहमद कादरी, भगवानदास, राजेंद्र पाल, नरेन्द्रप्रताप, राजेंद्र वर्मा, अखिलेश गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, यशपाल शर्मा आदि ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन भेंट करते हुए बताया कि उचित दर की दुकान के संचालन में आ रही समस्या के सम्बन्ध संगठन उचित दर विक्रेताओं के हित में कार्य करती है। उरई नगर के उचित दर विक्रेता श्री आज्ञाराम मिश्रा सुशील नगर उरई की दुकान पर 12 फरवरी 2025 को खाद्यान्न वितरण के समय कार्डधारक अमय कुशवाहा पुत्र छुन्नालाल द्वारा दुकान पर आकर अभद्रता एवं मारपीट की गई। जिसकी सूचना श्रीमती चंचल मिश्रा ने थाना कोतवाली उरई में दी जिस पर उक्त व्यक्ति द्वारा के विरूद्ध कार्यवाही भी नहीं की गई लेकिन इस घटना से उरई शहर के विक्रेताओं में असंतोष व्याप्त है। इस प्रकार की घटना में उचित कार्यवाही करायी जाये जिससे किसी भी विक्रेता की दुकान पर इस प्रकार की घटनाओं की पूनरावृत्ति न हो सके। खाद्यान्न वितरण के समय उचित दर की दुकान पर ईपीओएस मशीन में पूर्व माह में सर्वर की समस्या रहती है। जिससे कार्ड धारकों में आक्रोश व्याप्त होता है तथा कार्ड धारको की केवाईसी भी नहीं हो पा रही है।

मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद पति ने खोलीं आंखें तो चौंका, बगल के बेड पर भर्ती मिली 22 दिन से लापता पत्नी

संवाददाता, उन्नाव। जब राकेश की आंखों की पट्टी खुली तो उनके बगल के बेड पर भर्ती महिला ने पानी मांगा। महिला की आवाज सुनकर राकेश चौंक गए। पास जाकर देखा तो वह महिला कोई नहीं बल्कि, गुमशुदा पत्नी निकली। यह देख पति राकेश भावुक हो गए और उनकी आंखों से आंसू बह निकले। लेकिन सिर पर चोट पर चोट लगने की वजह से पत्नी कुछ बता नहीं पाई और न ही पति को पहचान पाई। मोतियाबिंद के ऑपरेशन के बाद अस्पताल में भर्ती एक मरीज ने अपनी आंखें खोलीं तो उसके बगल वाले बेड पर 22 दिनों से लापता पत्नी भर्ती मिली। यह देख पति की आंखों में आंसू आ गए। लेकिन महिला अपने पति को पहचान नहीं सकी। क्योंकि सिर में गंभीर चोट आने से उसकी याददाश्त चली गई थी। अब पति अस्पताल में पत्नी की सेवा करता है, इसके चलते महिला की याददाश्त लौटने लगी है। उत्तर प्रदेश के उन्नाव का यह मामला है। शहर के केवटा तालाब बस्ती निवासी राकेश कुमार (50) की पत्नी शांति देवी (42) बीती 13 जनवरी को घर से अचानक गायब हो गई थीं। पति ने उनको उन्नाव से लेकर कानपुर, लखनऊ, कन्नौज तक तलाशा. लेकिन वह नहीं मिलीं। थक-हारकर पति ने 16 जनवरी को थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। बता दे कि राकेश वेल्डिंग का काम करते हैं। पत्नी शांति के आलावा उनके घर में और कोई नहीं है। पत्नी के न मिलने पर वह तब से न तो काम पर गए और घर गए। वह अपने दोस्त के यहां ही रहने लगे। इसी बीच, आंखों में दिक्कत आने पर राकेश ने 6 फरवरी को अस्पताल में चेकअप कराया तो डॉक्टरों ने उनको ऑपरेशन कराने की सलाह दी। 7 फरवरी को मोतियाबिंद ऑपरेशन के बाद राकेश को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया।

कलेक्टर सभागार में बैठक हुई सम्पन्न

संवाददाता, सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में मुख्यमंत्री डैश बोर्ड (विकास कार्यों) की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुआ। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, पीएम कुसुम योजना, फसल अवशेष प्रबन्धन, फसल बीमा योजना व अन्य सभी योजनाओ के समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि लाभार्थियो को इसका लाभ दिलाना सुनिश्चित करे। फसल बीमा के अन्तर्गत प्रत्येक तहसील में कैम्प लगाकर अधिक से अधिक पंजीकरण कराकर इसमें प्रगति लाये। जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि मध्यान्ह भोजन प्रत्येक विद्यालय पर गुणवत्तापूर्ण बनना चाहिए जितने बच्चे उपस्थित उतने ही दर्शाये जाये। इसके साथ ही नामांकन के सापेक्ष शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराये। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि जो भी पंचायत भवन का निर्माण हो रहा है उसे मानक अनुसार गुणवत्तापूर्ण एवं समय से पूर्ण कराये। जिन ग्रामो में पंचायत भवन निर्माण हेतु धनराशि प्रेषित की गयी है उन ग्रामो में पंचायत भवन का निर्माण कराना सुनिश्चित करे। इसके साथ ही टाइल्स, फर्नीचर व अन्य सभी कार्य कराना सुनिश्चित करे। विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिया कि शासन द्वारा निर्धारित समयान्तर्गत ट्रान्सफार्मर बदलवाना सुनिश्चित करे। कोई भी ट्रान्सफार्मर खुले में न रहे जाली लगाने का निर्देश दिया।

व्यापारिक क्षेत्र के अलावा धार्मिक और सामाजिक कार्यों में हमारा संगठन अग्रणी भूमिका निभाता-संतोष गुप्ता

श्रीविष्णु महायज्ञ आने वालों को जलपान कराते संगठन के लोग

संवाददाता

उरई (जालौन)। गल्ला मंडी उरई में प्रथम दिन श्रीविष्णु महायज्ञ के शुभ अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद जालौन के जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता के नेतृत्व में यज्ञशाला में आए श्रद्धालुओं ओर भक्तजनों को निःशुल्क चाय एवं टोस्ट वितरित किया गया। आए हुए समस्त श्रद्धालुओं ने निःशुल्क चाय एवं टोस्ट वितरण की सराहना की ओर संगठन के प्रति अपनी अपनी सहानभूति रखी और कहा कि यह निश्चित रूप से व्यापार मंडल द्वारा किया गया कार्य प्रशंसा के योग्य हैं इस मौके पर सिटी मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, महिला थाना प्रभारी श्रीमती ऊषा सेनी, मंडी चौकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह, जिला संरक्षक केदार भारद्वाज, गल्ला व्यापार संघ के अध्यक्ष देवीदीन राजपूत, प्रशांत तिवारी, आकाश गहोई, जिला महामंत्री संजीव सिपोलिया, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष बलवीर सोनी, जिला कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, युवा नेता गौरव राठौर, नगर अध्यक्ष उमेश शर्मा, जिलाध्यक्ष महिला बिंग श्रीमती निशा राजपूत, जिलामंत्री गोरा गुप्ता कार्यक्रम के व्यवस्थापक जिला मीडिया प्रभारी सुधीर पांडेय, जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज शर्मा एवं अन्य गणमान्य नागरिक व्यापारी बंधु उपस्थित रहें।

जिलाधिकारी ने विंध्याचल पहुंचकर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

संवाददाता

मीरजापुर। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी द्वारा मंदिर परिसर का निरीक्षण किया गया। उन्होंने ड्यूटी पर लगे मजिस्ट्रेटो व पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी लोग यह सुनिश्चित करें कि मां के दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई समस्या न होने पाए उन्होंने कहा कि अगर किसी श्रद्धालु द्वारा कोई समस्या बताई जाती है तो उसका तत्काल निदान कराया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने पुरानी वी आई पी मार्ग के प्रथम द्वार पर दो बुजुर्ग महिलाओं को बेर बेचते हुए देखा तो उनके पास जाकर उनका हाल चाल जानते हुए जिलाधिकारी ने रुपए देकर बेर खरीदा। जिलाधिकारी ने उसी स्थान पर बेर भी खाया।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेन्द्र प्रताप सिंह, उप जिलाधिकारी लालगंज युगांतर त्रिपाठी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका गोवा लाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वित्त एवं जल शक्ति मंत्री ने सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के नवीन निरीक्षण भवन का किया लोकार्पण

संवाददाता

शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना एवं जल शक्ति मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने हनुमत धाम पहुंचकर पूजा अर्चना कर दर्शन किए। सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के नवीन निरीक्षण भवन का वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना एवं जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह द्वारा निरीक्षण भवन में रुपये एक करोड़ आठ लाख की लागत से दो अतिरिक्त सूट एवं आंतरिक पथ आदि निर्माण कार्यों का हवन पूजन तथा फीता काटकर लोकार्पण किया गया। उन्होने गत वर्ष जनपद में आयी भीषण बाढ़ जैसी स्थिति से भविष्य मे निपटने हेतु समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में संबंधित अधिकारियों को आगामी बाढ़ से निपटने हेतु बचाव कार्य समय से पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया। मंत्री ने कहा कि बाढ़ से बचाव कार्य गुणवत्तापूर्ण होने चाहिए, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर एमएलसी डॉ0 सुधीर कुमार, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव, महापौर अर्चना वर्मा, पुवायां विधायक चेतराम, तिलहर विधायक सलोना कुशवाहा, जलालाबाद विधायक हरि प्रकाश वर्मा, ददरौल विधायक अरविंद कुमार सिंह, सहकारी बैंक अध्यक्ष डी0पी0एस0 राठौर, जिलाध्यक्ष के सी मिश्रा, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता, जल संसाधन विभाग के प्रमुख सचिव अनिल गर्ग, प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष अखिलेश कुमार, एवं मुख्य अभियन्ता (शारदा) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग एच0एन0 सिंह, जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश एस, नगर आयुक्त डॉ0 विपिन कुमार मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 अपराजिता अपराजिता सिनसिनवार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार, अधीक्षण अभियन्ता सिंचाई कार्य मण्डल सीतापुर एन0 के0 जैन, अधिशासी अभियन्ता शारदा नहर खण्ड सुनील कुमार भास्कर, अधिशासी अभियन्ता राष्ट्रीय जल प्रबंध योजना शारदा नहर खण्ड सुरेश चन्द्र आजाद, अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, परियोजना प्रबंधक राज्य सेतु सहित अन्य सिंचाई विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव की तैयारियों की बैठक हुई संपन्न

संवाददाता

पीलीभीत। जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कल देर शाम भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव-2025 की तैयारियों से सम्बन्धित बैठक कलेक्टेट कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान नगर मजिस्टेट द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त कार्यक्रम को संकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु समिति नामित की गई है। समिति में नगर मजिस्टेट अध्यक्ष, जिला विकास अधिकारी सदस्य, उप जिलाधिकारी सदस्य, जिला विद्यालय निरीक्षक सदस्य, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सदस्य, जिला पंचायत राज अधिकारी सदस्य एवं संभागीय परिवहन अधिकारी सदस्य के मित है। उन्होंने बताया कि तराई सीमा दान पर जनपद में भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत संस्कृति पर्यटन विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से जनपद के युवापीढ़ी एवं विद्यार्थियों के बीच प्रदेश की समद्ध सांस्कृति विरासत को संरक्षिज्ञत करने एवं देश प्रेम की भावना को प्रवाहित करने के उद्देश्य से सांस्कृति व राष्ट्रभक्ति पूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। बैठक में अवगत कराया गया कि भारत-नेपाल मैत्री महोत्सव का आयोजन 22-23 फरवरी के मध्य गांधी प्रेक्षागृह, गांधी स्टेडियम पीलीभीत किया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने नामित समिति को समस्त तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये तथा जनपद वासियों से उक्त कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या मे प्रतिभाग करने का आवाहन किया गया, जिससे की उक्त कार्यक्रम का सफल बनाया जा सके।

संत रविदास जयंती पर पीडीए पंचायत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

संवाददाता

पूरनपुर, पीलीभीत। तहसील पूरनपुर के ग्राम नवदिया धनेश में संत रविदास जयंती पर पीडीए पंचायत का हुआ आयोजन। इसमें सपा कार्यकर्ताओं सहित पीडीए परिवार के सभी लोग मौजूद रहे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी बहुजन सभा के वरिष्ठ कार्यकर्ता राजकुमार राजू ने अखिलेश यादव के आदेश अनुसार उत्तर जगह-जगह इस तरह के कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। जिसके तहत समाजवादी पार्टी भारतीय जनता पार्टी के द्वा निशाना ग्टे यजेनिक कार्यों से जनता को किए जा रहे अनैतिक कार्यों से जनता को अवगत कराना है। उहोने बताया कि किस प्रकार भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब अंबेडकर के द्वारा बनाए गए संविधान का सरेआम उल्लंघन कर रही है जैसा कि आप जानते हैं वर्तमान में हुए चुनाव में वोटो का जमकर ध्रुवीकरण किया गया है, और हजारों वोटरों को वोट डालने से वंचित किया है, किस प्रकार दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी परिणाम आने से पूर्व ही विधायकों को धन का प्रलोभन देकर तोड़ने का कार्य कर रही है। वह किसी से छुपा हुआ नहीं है, अध्यक्ष अखिलेश यादव बाबा साहब के द्वारा बनाए उस संविधान को बचाने की लड़ाई मजबूती के साथ लड़ने का काम कर रहे हैं, समाजवादी के जिला अध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने कहा केंद्र सरकार की विदेश नीति की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिका द्वारा अप्रवासीय भारतीयों को जिस पताड़ित किया गया है वह बहुत ही है, 104 अप्रवासीय भारतीयों को और बेड़िया पहना कर भारत लाया गया, 40 घंटे तक उन्हें भूखा रखा गया और शौच जाने के लिए पूरे विमान में मात्र एक टॉयलेट भारतीय नागरिकों के साथ किए गए इस बर्बरता पूर्वक व्यवहार की समाजवादी पार्टी घोर निंदा करती है, और केंद्र सरकार से मांग करती है कि मानवता को ध्यान में रखते हुए बाकी बचे हुए प्रवासी नागरिकों को सम्मान जनक रूप से वापस बुलाने का काम करें। पीडीए पंचायतों का मुख्य उद्देश्य जनता को जागरूक करना, वर्तमान सरकार के कथित झूठ को उजागर करना और समाज के सभी वर्गों को उनका अधिकार दिलाना है।

पुलिस ने 3 दिन बाद कब्र से निकाला मृतक छात्रा रागिनी का शव

संवाददाता

बस्ती। जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के कंपोजिट पूर्व माध्यमिक खपड़ही स्कूल में हुई छात्रा रागिनी की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने 3 दिन बाद कब्र से शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्राप्त समाचार के अनुसार- घटना 10 फरवरी को हुई थी, जब स्कूल के एक कमरे में छात्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला था। परिजनों ने बिना पुलिस को सूचना दिए ही अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है, जिससे मौत के कारणों का पता चल सके। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। स्कूल के इंचार्ज प्रधानाचार्य को घटना की सूचना न देने पर निलंबित कर दिया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और हर पहलू की पड़ताल की जा रही है।

सामूहिक विवाह समारोह में एक दूजे के हुये नौ जोड़े

संवाददाता

चरखारी (महोबा)। जिले के तहसील चरखारी के ग्राम रिबई में श्री बजरंग बली मन्दिर छोटी तलैया में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्रीमद भागवत पुराण के पूण आहुति के उपरान्त सामूहिक विवाह सम्मेलन में नौ जोड़े गृहस्त जीवन में प्रवेश किये .आयोजन कर्ता महन्त अलबेला सरकार ओरछा धाम ने धूमधाम के साथ मंत्रोच्चारण के साथ द्वारचार वर वधू जयमाल भँवर कन्यादान के बाद विदाई में वधू को दहेज में बेड कूलर फ्रिज अलमारी सोफा एल सी डी बक्शा सहित अन्य सामान भेंट किया.चार दूल्हों को हीरो बाइक दी.सम्मेलन में शिवानी यादव के साथ अशोक यादव .रिंकी अहिरवार बमरारा के साथ सचिन मुरादाबाद .आकांक्षा कुशवाहा जरिया के साथ आकाश गहरा .खुशबू यादव रिबई के साथ नितेश यादव पचखुरा .राधा कुशवाहा रिबई संग शीतल कुशवाहा कबरई .निशाँ यादव मटोल संग चंद्रशेखर चन्दौरा .प्रिया देवी गिरी लामर संग रवीन्द्र गिरी अठरिया टीकमगढ़ .सरोज कुशवाहा मुरानी संग अनिल डिगरिया .पुष्पा देवी डढ़त संग मुन्नी लाल कटिया लौंडी समेत नौ जोड़ों के रीति रिवाज के अनुसार विवाह बँधन में बँधे.बारातियों एवं जनातियों सहित रिबई और आस पास कीरतपुरा काकुन जतौरा नटरा सन्तोषपुरा जारोली चंदौली के साथ अनेकों गाँव के लोगो ने भण्डारे में प्रसाद ग्रहण किया .मुख्य अथिति के रूप में हरिद्वार से पधारे सन्त माधव जी महाराज रहे विवाह सम्मेलन को सफल बनाने के लिये पूरे गाँव ने तन मन और धन से भरपूर सहयोग किया आनंद यादव ने वर के द्वारचार की रस्म निभायी .राजा भैया नगायच ने सभी कन्याओं का कन्यादान किया .राजा रानी वीरेंद्र यादव श्रीमती रामकुमारी यादव परीक्षित परशुराम सोनी श्रीमती राधा रानी सोनी सन्तोष दुबेदि रामसनेही पाठक भूपेन्द्र सिंह महेन्द्र सिंह करण यादव रमाकान्त वर्मा चन्दा शुक्ला बृजराज यादव जितेन्द्र धर्मेन्द्र मनोज राठौर सरजू राठौर सहित हजारों की संख्या भी भीड़ रही।

सम्पादकीय

देर से उठाया कदम

भले ही न टाली जा सकने वाली विषम परिस्थितियों के चलते हुआ हो, मणिपुर के विवादित मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने आखिरकार इस्तीफा दे दिया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने दिल्ली की ऐतिहासिक चुनावी जीत का मजा किरकिरा न होने देने के इरादे से उनका इस्तीफा दिलवाना बेहतर विकल्प समझा। इस हिंसाग्रस्त पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा के कारण हुई मौतों और विस्थापन पर सार्वजनिक माफी मांगकर खेद जताने के एक माह से कुछ अधिक समय बाद बीरेन सिंह ने आखिरकार अपना पद छोड़ ही दिया। दरअसल, उनका यह अस्त्र काम नहीं आया। विडंबना यह है कि उनकी कथित बातचीत का एक ऑडियो टेप कुछ समय पहले लीक हुआ है। जिसमें टेलीफोन पर हुई वह बातचीत रिकॉर्ड हुई बतायी जाती है, जिसमें जातीय हिंसा भड़काने में उनकी भूमिका उजागर होती है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सत्यता प्रमाणित करने के लिये इस टेप को केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला को भेजा गया है। शीर्ष अदालत ने सीलबंद लिफाफे में यह रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। लगता है कि मणिपुर में विपक्षी दलों द्वारा बीरेन सिंह को हटाने की मुहिम में सत्तारूढ़ दल के कुछ विधायकों के शामिल होने की आशंका को भांपते हुए बीरेन सिंह को इस्तीफा देने को कहा गया है। उनके खिलाफ आरोपों की गंभीरता के मद्देनजर इस्तीफे को बचने के एक रास्ते के तौर पर देखा गया है। बहरहाल, राज्य सरकार व पार्टी की छवि को पहले ही काफी नुकसान हो चुका है और यह इस्तीफा बहुत देर से आया है। मणिपुर में मई 2023 से शुरू हुई जातीय हिंसा में करीब ढाई सौ लोगों की जान जा चुकी है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। लेकिन राज्य सरकार स्थिति को संभालने में विफल रही है। विडंबना यह है कि व्यापक हिंसा व आगजनी के बाद बीरेन को पद से हटाने की मांग को नजरअंदाज किया जाता रहा है। विपक्ष इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को भी सवालों के घेरे में लेता रहा है।बहरहाल, अब सवाल यह उठता है कि मुख्यमंत्री बदलने से क्या जमीनी हकीकत में बदलाव आ सकेगा? नया नेतृत्व क्या वह इच्छाशक्ति दिखा पाएगा जिससे मैती व कुकी समुदायों के बीच गहरी हुई खाई को पाटा जा सकेगा? निस्संदेह, मणिपुर के लोग न्याय व शांति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में लोगों का भरोसा जीतना केंद्र सरकार की पहली जिम्मेदारी बनती है। ताकि राज्य में शांति व सद्भाव कायम हो सके। वहीं दूसरी ओर बजट सत्र को टालने से राज्य में राष्ट्रपति शासन की आशंका भी जतायी जा रही है। वैसे राज्य में दोनों प्रमुख समुदायों के बीच जिस हद तक अविश्वास हावी है, उसे देखते हुए शीघ्र सुलह-समझौते की उम्मीद कम ही है। यहां तक कि कुकी समुदाय अपने लिये अलग प्रशासनिक व्यवस्था की मांग जोर-शोर से उठाता रहा है, तो वहीं मैती समुदाय इस मांग का प्रबल विरोध करता रहा है। बहरहाल, प्राथमिकता राज्य में शांति व्यवस्था स्थापित करने की होनी चाहिए ताकि विस्थापित लोग कानून पर भरोसा करते हुए अपने घरों को लौट सकें। सबसे बड़ी चिंता सुरक्षा बलों से दोनों समुदायों द्वारा लूटे गए हथियारों की बरामदगी की भी है। यहां तक कि पुलिस व सुरक्षा बलों पर भेदभाव के आरोप भी लगते रहे हैं। निश्चित रूप से राज्य में पुलिस व सुरक्षा बलों को सर्वप्रथम अपनी विश्वसनीयता कायम करनी होगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बीरेन सिंह के बाद सत्ता की बागडोर थामने वाला व्यक्ति किस हद तक स्थितियों को सामान्य बनाने में सक्षम होता है। सवाल यह भी है कि राज्य विधानसभा के लिये एक साल के भीतर होने वाले चुनाव क्या समय पर हो पाते हैं?

मानसिक तनाव की मुक्ति के लिए आसान एवं अद्भुत उपाय जानिए

ज्योतिषाचार्य पं.अविनाश मिश्र शास्त्री (चित्रकूटधाम)

नींद न आना रीलेशनशिप का बार बार टूटना जन्म पत्रिका में चन्द्रमा की स्थिति का ठीक न होना

मानसिक तनाव और ज्योतिषीय उपाय

1–अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्रमा की स्थिति सही नहीं है तो इसका सीधा प्रभाव मानसिक स्थिति पर पड़ता है। कुंडली में चंद्रमा की कमजोर स्थिति मानसिक रोगों को बढ़ावा देती है। साथ ही गृह क्लेश, ऑफिस और घर में परेशानियों का लगातार बढ़ना, माता-पिता के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ना आदि कई समस्याएं मानसिक रूप परेशान कर देती हैं। ऐसे में अगर आपके भी मानसिक रूप से परेशान हैं या फिर ऐसी स्थितियों से गुजर रहे हैं तो आपको कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत करनी होगी, जिससे आपको मानसिक परेशानी से मुक्ति मिल सके।

2–मिलती है राहु के अशुभ प्रभाव से मुक्ति–सोने से पहले अपने हाथ–पैर धोकर ही बिस्तर में जाएं। गंदे और गीले पैरों से बिस्तर में बिल्कुल नहीं जाना चाहिए, ऐसा करने से राहु का अशुभ प्रभाव पड़ता है और उससे आपकी परेशानियों में भी वृद्धि होती है। इसलिए आप हाथ–पैर साफ करके और ईश्वर को स्मरण करके ही बिस्तर में जाना चाहिए।

3– इस मंत्र के जप से मिलेगा फायदा–मानसिक रोगों से मुक्ति के लिए सबसे पहले आपको नकारात्मक विचारों से दूर रहना चाहिए और अपने कुंटुंब के ईष्ट देवों का ध्यान करना चाहिए। साथ ही हर रोज रूद्राक्ष की माला से सुबह–शाम 'ओम उमादेवीभ्यां नमरू' मंत्र का जप करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त होता है और मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती हैं।

4– इन चीजों को मिलाकर दें अर्घ्य मानसिक रोगों से मुक्ति के लिए चांदी के लोटा लें और उसमें जल, दूध, चावल, शक्कर और गंगाजल लेकर चंद्रमा को अर्घ्य दें। ये सभी चीजें चंद्रमा से संबंधित हैं। साथ ही पांच दीपक सुबह–शाम घर के मंदिर, आगंन और तुलसी के पौधे के सामने जलाएं। ऐसा करने से मानिसक परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

5–इस उपाय से मानसिक परेशानी होती है दूर

भगवान शिव की पूजा करने से कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है इसलिए जन्मदिन, त्रयोदशी, प्रदोष व्रत व महाशिवरात्रि पर शिवलिंग का रूद्राभिषेक अवश्य कराएं और दो घंटे मौन रहकर भगवान शिव का ध्यान रखें। साथ ही पूर्णिमा के दिन व्रत रखकर चंद्रमा का पूजन करें। ऐसा करने से मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिलती है और चंद्रमा शुभ फल देता है।

6– इससे दिमाग होता है तेज–हर रोज ब्रह्म मुहूर्त में स्नान करना चाहिए और ईष्ट देवी–देवताओं का ध्यान के साथ भगवान शिव और विष्णुजी का किसी रूप में ध्यान करें। साथ ही सूर्योदय से ढाई घंटे के अंदर अर्थात दिन का पहला आहर करें यानी भोजन कर लें। इससे दिमाग को पूर्ण शक्ति मिलती है और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। अगर इस समय पर नाश्ता करेंगे तो दिमाग भी कमजोर होता है।

7–इस उपाय से चंद्रमा की स्थिति होती है मजबूत

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कुंडली में चंद्रमा की स्थिति मजबूत करने के लिए चावल की खीर बनाएं और उसको गरीब व जरूरतमंदों को दान कराएं। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि सोमवार के दिन दूध न पीएं। साथ ही हर रोज आंवला और दो अखरोट जरूर खाएं। इसके बाद सोने से पहले नाक में बादाम के तेल की बूंदें डालें। ऐसा करने से मानसिक रोग दूर होता है और चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है, जिससे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है।

ज्योतिष शास्त्र, वास्तुशास्त्र, वैदिक अनुष्ठान व समस्त धार्मिक कार्यो के लिए संपर्क करें

श्री रामकृष्ण ज्योतिष केन्द्र श्रीरामकृष्णज्योतिष अनुष्ठान केन्द्र संपर्क सूत्र – 7389695052, 8085152180

दिल्ली में आप की हार से इंडिया ब्लॉक को सबक लेते हुए आगे देखना होगा

नित्य चक्रवर्ती

दिल्ली विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की हार और भाजपा की जीत निश्चित रूप से विपक्षी इंडिया ब्लॉक के लिए झटका है, लेकिन इसका मतलब आप का अंत या इंडिया ब्लॉक के लिए अंतिम झटका नहीं है, जैसा कि राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चौनलों के कुछ टिप्पणीकार इसे पेश कर रहे हैं। जिन लोगों ने दिल्ली के मतदाताओं के मूड का अध्ययन किया है, वे पहले से ही जानते थे कि 2025 के चुनावों में, भाजपा को हराकर सत्ता बरकरार रखना आप के लिए बहुत कठिन होगा, क्योंकि दिल्ली की सत्तारूढ़ पार्टी के दो कार्यकाल पूरे होने के बाद सत्ता विरोधी लहर थी। अंतिम निर्णायक बात यह रही कि मतदान से चार दिन पहले 1 फरवरी को घोषित 2025-26 के केंद्रीय बजट में आयकर में बड़ी छूट दी गयी और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की गयी। भाजपा के पक्ष में जनादेश दिल्ली के वेतनभोगी मध्यम वर्ग द्वारा लाया गया, जो दिल्ली के 1.56 करोड़ मतदाताओं में से अधिकांश हैं। उन्हें सीधे नकद लाभ मिला। निश्चित रूप से इसका कुछ दिनों बाद मतदान के दिन तत्काल प्रभाव पड़ा। फिर भी, मतदान के आंकड़े बताते हैं कि लड़ाई एकतरफा नहीं थी। बल्कि, यह एक कड़ा संघर्ष था। भाजपा को 45.56 प्रतिशत वोट मिले, जबकि आप को 43.57 प्रतिशत, यानी केवल 2 प्रतिशत का अंतर, हालांकि सीटों के मामले में भाजपा को 48 और आप को केवल 22 वोट मिले। इसके अलावा, इंडिया ब्लॉक की दोनों पार्टियों आप और कांग्रेस के वोटों को मिलाकर आप-कांग्रेस को लगभग 50 प्रतिशत वोट मिले और सीटों के मामले में, अगर गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक के खाते में 14 और सीटें आतीं। इसका मतलब है कि अगर आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन होता तो इंडिया ब्लॉक कुल 70 सीटों में से 36 सीटें जीतकर मामूली जीत हासिल कर सकता था। इसके अलावा, आप ने दलितों, गरीबों और मुसलमानों के अपने आधार को बरकरार रखा, जैसा कि निर्वाचन क्षेत्रवार मतदान पैटर्न के विश्लेषण से पता चलता है। यह फैसला मतदान के दिन आप से भाजपा की ओर बड़े पैमाने पर मध्यम वर्ग के झुकाव का नतीजा था, जबकि गरीब कमोबेश आप और कांग्रेस के साथ खड़े थे। तो, सबक यह है कि विधानसभा चुनाव से पहले आप और कांग्रेस दोनों ने गठबंधन के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला। उन्हें विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे पर कुछ समझ बना लेनी चाहिए थी, हरियाणा और महाराष्ट्र में पिछले विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता को ध्यान में रखते हुए। चूंकि ऐसा नहीं हुआ, इसलिए आप और कांग्रेस के लिए सबसे अच्छी बात यह होगी कि वे जमीनी हालात का निष्पक्षता से आकलन करें और भाजपा से मुकाबला करने के लिए अगले दौर की तैयारी करें। अब तक आप दो राज्यों, दिल्ली और पंजाब में सत्ताधारी पार्टी थी। अब दिल्ली हार गयी है और सिर्फ पंजाब बचा है। भाजपा अब उत्तर भारत में पंजाब और पूर्वी हिस्से में बिहार पर सबसे ज्यादा ध्यान देगी, जहां इस साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं। पंजाब में आप की सरकार थोड़ी अस्थिर रहेगी, क्योंकि दिल्ली और पंजाब के चुनावी पैटर्न में कुछ समानताएं हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में आप के हाथों पंजाब में परास्त हुई कांग्रेस इस बार पंजाब में आप सरकार को चुनौती देने के लिए खुद को संगठित करने में सबसे अधिक सक्रिय होगी। भाजपा भी अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगी और आप तथा कांग्रेस दोनों को चुनौती देने के लिए नये सहयोगियों को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकती है। पंजाब के चुनावी मैदान में त्रिकोणीय मुकाबला होगा, जहां दिल्ली की तरह ही इंडिया ब्लॉक के दो सहयोगी दल एक-दूसरे के आमने-सामने होंगे। लेकिन एक अंतर यह है कि भाजपा अभी पंजाब में कोई बड़ी ताकत नहीं है। आगामी विधानसभा चुनाव में आप और कांग्रेस दो मुख्य प्रतिद्वंद्वी होंगे। इंडिया ब्लॉक के लिए बिहार सबसे महत्वपूर्ण विधानसभा चुनाव है और साल के अंत में होने वाले चुनाव में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को चुनौती देने के लिए राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन के साथ एक आदर्श चुनावी समझौता करने के लिए सभी प्रयास करने होंगे। इंडिया ब्लॉक को किसी भी कीमत पर यह चुनाव जीतना है। इस बात को ध्यान में रखते हुए, कांग्रेस को भी सही तरीके से व्यवहार करना होगा क्योंकि पार्टी, अपने कम स्ट्राइक रेट के बावजूद, हमेशा जमीन पर अपनी वास्तविक ताकत की तुलना में अधिक सीटों की मांग करती है। इस बार, राजद और कांग्रेस को बहुत पहले से चुनावी बातचीत शुरू कर देनी चाहिए और उस पर काम करना चाहिए। जहां एक ओर भाजपा अपनी राजनीतिक और चुनावी रणनीति को लगातार अपडेट करके इंडिया ब्लॉक को हराने के लिए सतर्क और चुस्त है, वहीं इंडिया ब्लॉक पार्टियों में एक तरह की नींद है। नेतृत्व निष्क्रिय है। लोकसभा चुनाव के बाद से इंडिया ब्लॉक नेताओं की कोई पूर्ण बैठक नहीं हुई है। संसद के सत्रों के दौरान केवल समन्वय ही पर्याप्त नहीं है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव अब समाप्त हो चुके हैं और अगले विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने हैं, इसलिए यह सही समय है कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां मिलें और नवीनतम राजनीतिक स्थिति की विस्तृत समीक्षा करें और अपनी रणनीति को अपडेट करें। विधानसभा चुनावों और उपचुनावों ने इंडिया ब्लॉक पार्टियों में नये और पुराने दोनों ही चेहरे सामने लाये हैं जो बीजेपी के खिलाफ संघर्ष की गति को तेज करने के लिए ब्लॉक के लिए बदलाव के वाहक के रूप में काम कर सकते हैं। केरल के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में हुए हालिया उपचुनाव में लोकसभा में प्रवेश करने वाली प्रियंका गांधी विधानसभा चुनावों में भाजपा के खिलाफ आगामी लड़ाई में इंडिया ब्लॉक के लिए एक बड़ी संपत्ति हो सकती हैं। प्रियंका हमेशा सही मुद्दों को आगे बढ़ाती रही हैं। वह लंबे समय से महिलाओं के मुद्दों, जिसमें नकद हस्तांतरण भी शामिल है, की वकालत करती रही हैं। वह केंद्रीय स्तर पर इंडिया ब्लॉक की प्रमुख नेताओं में से एक हो सकती हैं, क्योंकि भाजपा ने महिलाओं के मुद्दों पर बड़ा ध्यान दिया है और इंडिया ब्लॉक को इसका उचित तरीके से मुकाबला करना होगा। दो अन्य नेता हैं जिन्होंने पिछले दौर के चुनावों और राजनीतिक अभियान में अपनी योग्यता साबित की है। वे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और सीपीआई (एमएल)-लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य हैं। हेमंत ने विधानसभा चुनावों में झारखंड के आदिवासी क्षेत्र में भाजपा को हराकर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय दिया है। यह एक बड़ा काम था क्योंकि भाजपा और आरएसएस ने आदिवासी सीटों पर नियंत्रण करने के लिए एक बड़ा राजनीतिक हमला किया था। वह देश में आदिवासियों के सर्वोच्च नेता के रूप में उभरे हैं। इसी तरह,दीपांकर भट्टाचार्य ने बिहार में लोकसभा चुनाव और उसके बाद विधानसभा उपचुनावों में सीपीआई (एमएल)-एल की बड़ी जीत का आयोजन करके अपनी योग्यता साबित की है। उनके नेतृत्व ने बिहार और झारखंड दोनों में भाजपा की चुनौती का सामना करने में इंडिया ब्लॉक की मदद की है। इस सीपीआई (एमएल)-एल नेता का इस्तेमाल इंडिया ब्लॉक द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा से मुकाबला करने के लिए प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियां बैठक बुलायें और नेतृत्व की नयी लाइन तय करें। राहुल गांधी विपक्ष के नेता बने रहेंगे और कांग्रेस हमेशा इंडिया ब्लॉक का सबसे बड़ा घटक बनी रहेगी। प्रधानमंत्री पद के चेहरे का मुद्दा अब बिल्कुल भी प्रासंगिक नहीं है। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में है। जमीनी हालात को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर लोकसभा चुनाव से पहले या बाद में चर्चा की जा सकती है। अंतरिम अवधि में, कई राज्य विधानसभा चुनाव लड़ने होंगे। इसके लिए इंडिया ब्लॉक के पास एक सुसंगत रणनीति होनी चाहिए। भाजपा के खिलाफ लड़ाई संसद और बाहर सभी मोर्चों पर लड़ी जानी चाहिए। राहुल संसद के अंदर इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व कर सकते हैं, जबकि ममता-स्टालिन की जोड़ी को 2025 और उसके बाद इंडिया ब्लॉक के संचालन में गतिशीलता लाने का काम सौंपा जाना चाहिए।

क्या कांग्रेस का गठबन्धन से निकलने का वक्तआ चला है?

डॉ. दीपक पाचपोर

इस बात से सभी की सैद्धांतिक सहमति हैय और समझदारी भी इसी में है कि भारतीय जनता पार्टी को हराना है तो सभी विपक्षी दलों को सम्मिलित मुकाबला करना होगा। 2014-19 एवं 2019-24 के लिये हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा की सफलता का राज यही था कि वह अपने विरोधियों के मतों को बांटने में सफल रही थी। इस बात को तमाम राजनीतिक दल भांप चुके थेय अब भी समझ रहे हैं कि आपस में लड़कर वे भाजपा का ही फायदा कर रहे हैं परन्तु इस विशालकाय देश में बेशुमार राजनीतिक पार्टियां हैं जिनके अस्तित्व के अपने-अपने प्रयोजन हैं और जो विभिन्न राज्यों या समूहों की महत्वाकांक्षाओं को संतुष्ट करते हैं। भाजपा के अलावा कांग्रेस ही ऐसा दल है जिसकी राष्ट्रीय पहचान और देशव्यापी उपस्थिति है। इनके लिये अलग चुनाव लड़ना खुद की मौजूदगी का एहसास दिलाने के लिये अनिवार्य सा होता है। इसके बावजूद विपक्ष एक होने का जो नाम नहीं ले रहा था उसके पीछे अनेक कारण थे। पहला था स्थानीय पहचान खोने का डर और दूसरे, किसी अन्य दल का नेतृत्व स्वीकारने में रजामंद न होना। पिछले करीब डेढ़ वर्षों से कांग्रेस के नेतृत्व में बना इंडिया गठबन्धन कतिपय सफलताओं और कुछ नाकामियों के साथ फिर ऐसी जगह पर खड़ा है जहां कांग्रेस को इस बात की नाप-तौल करने कि क्या उसे आवश्यकता है कि वह गठबन्धन का नेतृत्व करता रहे, उसके साथ रहे अथवा अकेले चुनावों में उतरे? उसके सहयोगी गठबन्धन जिस हिसाब से उसे अप्रत्यक्ष रूप से नुकसान पहुंचा रहे हैं उसके चलते कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये कि तारिक अनवर जैसे वरिष्ठ नेता सवाल करें कि कांग्रेस को सोचना होगा कि वह अकेले चले या गठबन्धन में बनी रहे। इंडिया के गठन को देखें तो वह कांग्रेस की ही देन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो कार्यकालों के दौरान यह किसी ने नहीं सोचा था कि इस प्रकार का कोई गठबन्धन मोदी-भाजपा के खिलाफ खड़ा हो सकता है। 7 सितम्बर, 2023 को जब धुर दक्षिणी राज्य तमिलनाडु के कन्याकुमारी से निकल कर 30 जनवरी, 2024 को कश्मीर की राजधानी श्रीनगर तक (श्भारत जोड़ो यात्राश) राहुल गांधी ने पैदल मार्च किया था, तभी से इसकी अवधारणा ने जन्म लिया था। राहुल की दूसरी यात्रा 14 जनवरी, 2024 से मणिपुर से निकली तथा मुम्बई में 18 मार्च को मुम्बई में समाप्त हुई थी। इस हाईब्रीड यात्रा को श्भारत जोड़ो न्याय यात्राश् कहा गया। इसके समापन पर मुम्बई में जब वृहद आम सभा हुई थी तो बीसियों गैर भाजपायी दल उसमें शामिल हुए थे और एक तरह से मुकम्मल गठबन्धन बन गया था। इंडिया के नाम से बना यह प्रतिपक्षी गठजोड़ भारत की विविधता को तो दर्शाता ही है, वह प्रतिरोध के देशव्यापी विस्तार का भी प्रतिबिम्ब था। पहली बार लगा कि भाजपा को टक्कर दी जा सकती है। बिहार के मुख्यमंत्री व नीतीश कुमार जनता दल प्रमुख नीतीश कुमार व राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष जयंत चौधरी जैसे लोगों ने गठबन्धन को महत्वपूर्ण मौकों पर धोखा दे दिया, फिर भी कई दलों ने गठबन्धन का मजबूती से साथ दिया। मामूली मतभेदों के बाद भी वे संग-संग चले। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव (राष्ट्रीय जनता दल), तमिलनाडु के सीएम (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) एमके स्टालिन, झारखंड मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन (झारखंड मुक्ति मोर्चा), महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री व शिवसेना (यूबीटी गुट) उद्धव ठाकरे व नेशनल कांग्रेस पार्टी के एक धड़े के चीफ शरद पवार, जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला (नेशनल कांफ्रेंस) जैसे भी शामिल हैं जो उतार-चढ़ावों में भी गठबन्धन का हिस्सा बने हुए हैं। जम्मू-कश्मीर की महबूबा मुफ्ती (पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी) हैं तो इंडिया में लेकिन स्थानीय राजनीति के चलते नेशनल कांफ्रेंस से अलग चुनाव लड़ती हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम व तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बैनर्जी तथा अरविंद केजरीवाल (आम आदमी पार्टी- दिल्ली व पंजाब) गठबन्धन के साथ तो हैं पर अपने-अपने राज्यों में स्वतंत्र रूप से लड़ते हैं। तालमेल का अलग-अलग पैटर्न ही इसकी कमजोरी है। इसके चलते उसके उन उद्देश्यों को नहीं पाया जा सकता जो इसके गठन के दर्मियान सोचे गये थे। ऐसे में जब कटिहार के सांसद तारिक अनवर उपरोक्त सवाल करते हैं तो सम्भवतरू निराशा के चलते उन्होंने यह मुद्दा उठाया होगा कि आधे-अधूरे गठबन्धन से बेहतर है कि अकेले लड़ा जाये। अनवर के सवाल पर गम्भीरता से सोचे जाने की जरूरत है क्योंकि यह प्रश्न और भी कांग्रेसियों के मन में हो सकता है। गठबन्धन एवं चुनावों के दौरान सहयोगी दलों के प्रत्याशियों के साथ होने वाला घालमेल सभी को दुविधा में डालता है। अकेले लड़ने में कम से कम वह असमंजस की स्थिति तो नहीं ही रहेगी। हालांकि कांग्रेस को देश का नक्शा सामने रखकर सीटवार इस बात का आकलन करना चाहिये कि अकेले लड़ने की बजाये मिलकर लड़ने पर उसका कितना लाभ या नुकसान हो रहा है। यदि कुछ ही सीटों की कीमत पर कांग्रेस गठबन्धन धर्म निभाने के फेर में अपना ज्यादा नुकसान कर रही है तो उसे पुनर्विचार करने की जरूरत है। सवाल हो सकता है कि यदि परिस्थितियां गठबन्धन की मांग करती हैं तो उसका नेतृत्व करने वाले दल का अकेले लड़ने हेतु बाहर हो जाना कितना समयानुकूल व वाजिब होगा। हालांकि विपक्षी एकजुटता तो हर स्थिति व काल में वांछनीय और स्वागत योग्य ही रहेगी लेकिन क्या जरूरी है कि बिगड़ैल सहयोगियों को हैंडल करने में कांग्रेस अपना वक्त व ऊर्जा जाया करे? ममता बैनर्जी अवर फेवरेट राहुल जी कहते-कहते पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ती हैं, तो वहीं महबूबा मुफ्ती को तीन सीटों पर सिमट पर मंजूर है लेकिन मिलकर लड़ना गवारा नहीं। दिल्ली में तीन बार सरकार बनाने वाले अरविंद केजरीवाल अपने प्रमुख सिपहसालारों के साथ अपमानजनक पराजय झेल सकते हैं व फिर से जेल जाने का खतरा मोल ले सकते हैं, परन्तु जब देश के सबसे भ्रष्ट नेताओं की सूची बनाकर सचित्र पोस्टर दिल्ली के चौक-चौराहों पर टांगने की बारी आती है तो वे राहुल को तीसरा सबसे अधिक भ्रष्टाचारी निरुपित करने में देर नहीं लगाते। ऐसे में कांग्रेस को ऐसे गठबन्धन और उसके सहयोगियों को लम्बे समय तक ढोना अनावश्यक प्रतीत होना स्वाभाविक है। उमर अब्दुल्ला ने दिल्ली हारने के बाद जो तंज किया कि अकेले लड़ो और हारते रहोश, वस्तुतरू एक गम्भीर टिप्पणी है। अब राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल भी कहते हैं कि कांग्रेस व गठबन्धन को अभी से तय करना होगा कि 2029 का चुनाव कैसे लड़ना है। एकजुटता के पक्षधर जानते हैं कि मौजूदा हालात में एकता होनी चाहिये, पर वह दिखनी भी तो चाहियेय और उसके नतीजे भी मिलने चाहिये। दिल्ली का चुनाव कांग्रेस मिलकर लड़ना चाहती थी पर आप ने उसका दोस्ती का हाथ झटक दिया जो उसे तो भारी पड़ा ही, गठबन्धन में बड़ी दरार छोड़ गया। हालांकि राहुल व कांग्रेसाध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एकता को बनाये रखने की इसलिये कोशिश करेंगे क्योंकि वे इस लड़ाई में सीधे उतरे हुए हैं। वे भाजपा की शक्ति को जानते हैं। कांग्रेस के बहुत से नेता खुद को भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीधी लड़ाई से बचाकर चलते हैं। उनके सामने खुद का कैरियर है या वे अपने किसी की सेटिंग की फिराक में रहते हैं अथवा केन्द्रीय जांच एजेंसियों से बचाये रखना चाहते हैं। अकेले लड़ना निश्चित ही दुरूह है पर अब वक्त आ गया है कि पार्टी इसका हन अध्ययन करे कि अकेले लड़ने में उसका हासिल क्या होगा और अभी वह क्या गंवा रही है। लम्बी लड़ाई व बड़ा जोखिम उसके खाते में होगा पर कांग्रेस सक्षम है।

आसान जिंदगी की चाह ने बेइज्जती से डिपोर्ट होने पर किया मजबूर

बहुत बे-आबरू हो कर तिरे कूचे से हम निकले...गालिब के इस शेर से उन डिपोर्ट किए गए भारतीयों का दर्द समझा जा सकता है, जिन्हें अमरीका से भारत वापस भेजा गया है। अमेरिका से निर्वासित किए गए 100 से ज्यादा भारतीय प्रवासियों को लेकर अमेरिकी सैन्य विमान सी-17 ग्लोबमास्टर से वापस भारत भेजा गया है। इनमें 104 भारतीय शामिल हैं। जिसमें 72 पुरुष, 19 महिलाएं और 13 बच्चे हैं। अमरीका में करीब 18 हजार प्रवासी भारतीय अवैध रूप से रह रहे हैं। इन्हें भी वापस भारत भेजा जाएगा। डंकी मार कर अमरीका तक पहुंचे प्रवासी भारतीयों का काफी कुछ लुट गया। इनके लाखों रुपए बर्बाद हो गए और अमरीका बसने के सपने भी टूट गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत में डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध आप्रवासन का मुद्दा उठाया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान अमेरिका में रह रहे अवैध भारतीय आप्रवासियों को लेकर चिंता जताई थी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि हमें उम्मीद है कि बिना दस्तावेज के अमेरिका में रह रहे भारतीयों के संबंध में जो सही होगा भारत वो कदम उठाएगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि भारत अवैध प्रवासन का समर्थन कतई नहीं करता। अवैध प्रवासन कई अवैध गतिविधियों से जुड़ा रहता है। ये हमारी प्रतिष्ठा के लिए ठीक नहीं है। जयशंकर ने कहा था कि अगर हमारा कोई नागरिक अमेरिका में अवैध रूप से रहता हुआ पाया जाता है और उसका भारत का नागरिक होना पाया जाता है तो हम उसके क़ानूनी रूप से भारत वापस लाने की प्रक्रिया के लिए तैयार हैं। बीते कुछ दिनों से अमेरिका दुनिया भर के देशों से आए और अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई कर रहा है। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाले हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सबसे कठोर आप्रवासन नीति के मास्टरमाइंड स्टीफन मिलर। ट्रंप ने अपना दूसरा कार्यकाल जिस दिन संभाला, उसी दिन

उन्होंने जिन कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए उन पर मिलर के हस्ताक्षर पहले से मौजूद थे। इन आदेशों में थे- जन्मसिद्ध नागरिकता को ख़त्म करना और दक्षिणी सीमा पर राष्ट्रीय इमरजेंसी घोषित करना। नीतिगत मामलों के डिप्टी डायरेक्टर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के रूप में मिलर ने ट्रंप के आप्रवासन एजेंडे को लागू करने के लिए कई कार्यकारी आदेशों का मसौदा तैयार करने की अगुवाई की। इसमें अवैध प्रवासियों के आने पर रोक और अमेरिकी धरती पर पहले से मौजूद रहने वालों को प्रत्यर्पित करने का वादा किया गया है। इन आदेशों में से एक है जन्म आधारित नागरिकता को ख़त्म करना। यह एक ऐसा क़दम है जो अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन में गारंटी दिए गए ऐतिहासिक अधिकार को नकारता है और इसे कोर्ट में चुनौती भी दी गई है। स्टीफन मिलर ट्रंपिज्म की सबसे कट्टर नीतियों के वास्तुकार ही नहीं हैं, बल्कि एक रणनीतिकार भी हैं, जिन्होंने इन्हें असरदार तरीक़े से लागू करने के दांवपेंच में महारत हासिल कर ली है। ऐसा बहुत कम होता है कि अमेरिका में रह रहे अवैध आप्रवासियों को वापस उनके देश भेजने के काम में सेना को लगाया जाए लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में प्रवासियों को भेजने के मिशन में सेना का इस्तेमाल किया जा रहा है। दरअसल अमरीका में बसना एक ऐसा सपना है जिसे ज्यादातर लोग हकीकत में बदलना चाहते हैं, खासतौर पर अमरीकी जीवन शैली और सुविधाएं सभी को आकर्षित करती हैं। आकषर्ण का यही जाल मुसीबत का सौदा साबित होता है। जब वैध तरीके से अमरीका में प्रवेश नहीं मिलता तो डंकी रास्ते से घुसने की कोशिश की जाती है। बेरोजगारी की समस्या और खूब धन कमाकर अच्छी जिंदगी जीने की चाह कई भारतीय युवाओं को विदेश जाकर रोजगार तलाशने के लिए प्रेरित करती है। आंकड़े बताते हैं कि डंकी रूट से भारत से अमेरिका जाने वालों की संख्या काफी है। विदेश जाकर बहुत सारा धन कमाने का सपना देखने वाले हजारों लोग हर साल डंकी रूट से अमेरिका जाने का जोखिम उठाते हैं। डंकी रूट एक ऐसा जोखिम है जिसमें हर कदम पर परेशानी ही परेशानी है और कई बार मौत का भी सामना करना पड़ता है। अमेरिकी सीमा पार करने के लिए लोगों को कई महीनों तक लंबी यात्रा करनी पड़ती है। मानव तस्कर इस रूट में संचालक की भूमिका में होते हैं, जो अवैध रूप से देशों की सीमाएं लांघने में मदद के बदले लोगों से अच्छी खासी रकम लेते हैं। कई बार यह रकम 50 से 85 लाख रुपये तक होती है। अमेरिका में डॉलर में धन कमाकर भारत पैसा भेजने वाले लोगों के घर अलग से पहचाने जाते हैं। कई परिवारों के लिए उनके किसी सदस्य का अमेरिका में होना स्टेटस माना जाता है। वहीं, भारत में 2018 से लगातार बेरोजगारी दर गिरने के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार की समस्या युवाओं के पलायन का कारण मानी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर भारत के पंजाब, हरियाणा और गुजरात के लोग बेहतर वेतन वाली नौकरियों की तलाश में अवैध रूप से अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन जैसे देशों की ओर पलायन कर रहे हैं। पिछले साल रिकॉर्ड 96,917 भारतीयों को अमेरिका में प्रवेश करने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया या निष्कासित किया गया था, जबकि 2021 में यह संख्या 30,662 थी। डंकी रूट का मतलब ऐसे रास्ते हैं जो अवैध रूप से लोगों को एक देश से दूसरे देश ले जाता है। सीमा नियंत्रण से बचने के लिए यह एक लंबी और चक्करदार यात्रा होती है। पंजाब में डंकी रूट एक दशक से भी ज्यादा समय से एक खुला रहस्य रहा है। यह शब्द पंजाबी शब्द डुंकी से आया है, जिसका अर्थ है एक जगह से दूसरी जगह कूदना। दिसंबर 2023 में डंकी प्रेक्टिस तब अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आई थी जब फ्रांस ने मानव तस्करी के संदेह में दुबई से निकारागुआ जा रहे 303 भारतीय यात्रियों वाले एक चार्टर विमान को रोक दिया था। इनमें से अधिकांश को वापस भारत भेज दिया गया था। अमरीका और युरोपीय देशों की चकाचौंध भरी जिन्दगी की जीने की चाह में हर साल सैकड़ों लोग कालकलवित हो जाते हैं। शरणार्थियों और प्रवासियों को अफ्रीका महाद्वीप से गुजरते समय समुद्र और जमीन पर चरम प्रकार की हिंसा, शोषण और मौत का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त कार्यालय (यूएनएचसीआर), अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) और मिश्रित प्रवासन केंद्र (एमएमसी) की एक रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2024 के पहले पांच महीनों में कैनरी द्वीप समूह के लिए अटलांटिक मार्ग पर 5,000 लोग मारे गए। यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 700 प्रतिशत की वृद्धि है। अनुमान है कि सहारा रेगिस्तान को भूमध्य सागर से ज्यादा लोग पार करते हैं और रेगिस्तान में शरणार्थियों और प्रवासियों की मौतें समुद्र में होने वाली मौतों से दोगुनी होने का अनुमान है। मध्य भूमध्यसागरीय प्रवास मार्ग दुनिया में सबसे खतरनाक मार्गों में से एक बना हुआ है। लोग बहुत खतरनाक यात्राओं पर जाने का जोखिम उठाते हैं। प्रवास मार्ग पर अपनाने के लिए मजबूर होने वाले प्रमुख कारकों में मूल देशों और मेजबान देशों में बिगड़ती स्थिति शामिल है। जैसे कि साहेल और सूडान में नए संघर्ष- पूर्व और अफ्रीका के हॉर्न में नई और दीर्घकालिक आपात स्थितियों पर जलवायु परिवर्तन और आपदाओं का विनाशकारी प्रभाव, साथ ही शरणार्थियों और प्रवासियों के प्रति नस्लवाद और जेनोफोबिया। – (एजेंसी)

नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन से गिरकर महिला की : मौत

संवाददाता

भरथना,इटावा। दिली हावड़ा रेलवे ट्रैक स्थित भरथना रेलवे स्टेशन से गुजरती नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन से उतरते समय ब्यूटी पार्लर संचालिका की गिरने से ट्रेन से कटकर मौके पर मौत हो गई हुई। हावड़ा से चलकर नई दिल्ली की ओर जा रही गाड़ी संख्या 12311 अप नेताजी एक्सप्रेस भरथना रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन के समीप से धीमी गति से जैसे ही गुजरी इसी दौरान ट्रेन में सवार भरथना क्षेत्र के ग्राम राम नगर सरैया निवासिनी महिला यात्री काजल देवी की ट्रेन से उतरने के चक्कर में गिरकर ट्रेन से कटकर मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। मृतक महिल भरथना काजल देवी कस्बा के मुहल्ला गिरधारीपुरा में एक ब्यूटी पार्लर का संचालन करती थी। और

वह दिबियापुर से इस ट्रेन में सवार होकर जा रही थी ट्रेन जैसे ही रेलवे स्टेशन पर धीमी गति से गुजर इस दौरान महिला ट्रेन उतारने का प्रयास किया तभी अचानक पैर फिसल गया और महिला रेलवे स्टेशन से रेलवे ट्रैक में जा गिरी। जिससे महिला की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों ने बताया कि महिला ट्रेन के धीमी होने के दौरान उतरने लगी थी तभी उसकी कटकर मौत हो गई। मौके पर पहुंची जीआरपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। घटना स्थल पर मृतक महिला के पति आलोक कुमार ने बताया कि वह दिबियापुर से अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे बेटी आरजू,बेटा राजा व निहाल का रो-रोकर बुरा हाल था।

मदिरा-बीयर की दुकानों पर जमघट बर्दास्त नहीं: कोतवाल

नियमित चेकिंग के दौरान दिए निर्देश

संवाददाता

भरथना,इटावा। शासन के निर्देश पर चलाए जारहे चौकिंग अभियान के तहत भरथना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक देवेन्द्र सिंह ने बीती शाम भरथना कस्बा के प्रमुख चौराहा जवाहर रोड,स्टेशन रोड चौराहा,इटावा रोड,शहर पुलिस चौकी के सामने, मोना चौराहा, सरोजनी रोड तिराहा आदि पर चौकिंग लगाकर दुपहिया वाहनों पर पर सवार बगैर हेलमेट चालकों के चालान किए हैं।

वहीं चार पहिया वाहन चालकों व वाहन स्वामियों को ड्राइविंग के दौरान सीट बेल्ट

लगाकर कार चलाने की हिदायत देकर छोड़ा है। नियमित चौकिंग के दौरान कोतवाल देवेन्द्र सिंह ने फोर्स के साथ नगर के जवाहर रोड पर देशी विदेशी मदिरा और बीयर की दुकानों पर खरीददारों के जमघट को खदेड़ दिया और मदिरा विक्रेताओं को हिदायत देते हुए निर्देशित किया कि दुकानें पर मदिरा खरीदारों का जमघट बर्दास्त नहीं किया जाएगा।चेकिंग अभियान के दौरान कस्बा पुलिस चौकी इंचार्ज शमशुल हसन मय फोर्स के मौजूद रहे।

केंद्र पर कृषि बीज कीटनाशक हर समय उपलब्ध

संवाददाता

महेवा,इटावा। महेवा विकास खण्ड क्षेत्र के रामनगर में खाद बीज एवं कीटनाशक केंद्र का उद्घाटन नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक अरुण कुमार एवं जिला उद्यान अधिकारी श्याम सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। अधिकारी द्वय ने बताया कि खाद,बीज एवं कीटनाशक केन्द्र का उद्देश्य ग्रामीण किसानों एवं एफ्मीओ के सदस्यों को उच्च गुणवत्ता के कृषि इनपुट उपलब्ध कराना है। यह केंद्र अवॉर्ड्स मिल्क किसान उत्पादक संगठन द्वारा संचालित हो रहा है और किसान उत्पादक संगठन,राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड की अनुदान सहायता से स्थापित किया गया है। एफ्मीओ के संवर्धन हेतु अवॉर्ड्स की सक्रिय भूमिका इस पहल को और सशक्त बनाती है। अधिकारी द्वय ने यह संदेश दिया कि यह केंद्र ग्रामीण किसानों एवं एफ्मीओ सदस्यों को आवश्यक खाद,बीज एवं कीटनाशक की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करेगा, जिससे उनकी कृषि उत्पादकता में वृद्धि होगी। साथ ही यह पहल उन्हें नवीनतम कृषि तकनीकों,उन्नत प्रबंधन प्रणाली और सतत विकास के मार्ग पर अग्रसर करेगी। इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीणों को न केवल कृषि से संबंधित सामग्री,बल्कि विभिन्न प्रशिक्षण एवं सलाहकार सेवाओं का भी लाभ मिलेगा,जिससे सम्पूर्ण क्षेत्र के विकास में तेजी आएगी। कार्यक्रम का संचालन अवॉर्ड के सचिव सुमित सिंह ने किया। इस अवसर पर संगठन के संचालक मण्डल के सदस्य व ग्रामीण उपस्थित रहे।

वैलेंटाइन-डे: मातृ-पितृ पूजन कर बच्चों ने लिया आशीर्वाद

संवाददाता

जसवंतनगर,इटावा। दादा शिवकुमार सरस्वती शिशु मंदिर में बच्चों को भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक कर मातृ पितृ पूजन दिवस मनाया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य अमित यादव ने ज्ञान की देवी मां शारदा ब्रह्म स्वरूप ओम संपूर्ण जगत का चराचर करने वाली भारत मां के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित कर किया। सर्वप्रथम बच्चों को ओम मुद्रा में बैठाकर ओमकार का गुणगान किया गया। इस दौरान बच्चों ने पूजा की थाली सजा कर माता-पिता को तिलक लगाकर पुष्पमाला अर्पित की और उनका मुंह मीठा करते हुए पूजन किया।माता-पिता ने बच्चों को हृदय से लगा कर आशीर्वाद दिया। विद्यालय में पहुंचे अभिभावक व गणमान्य का अभिवादन प्रधानाचार्य अमित यादव ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस दिन को

मातृ पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की है। आजकल के बच्चों में नैतिक संस्कार कम हो गए हैं बच्चों को अपने माता पिता की सेवा और सम्मान करना चाहिए।उन्होंने माता-पिता से भी आग्रह किया कि अपने बच्चों को मोबाइल फोन कम दें। हमें अपने माता पिता की आज्ञा का पालन करना चाहिए और कभी भी उनका दिल नहीं दुखाना चाहिए।वरिष्ठ अध्यापक मुलायम सिंह ने कहा कि हमें अपनी भारतीय संस्कृति एवं संस्कार को बरकरार बनाए रखना है।इस अवसर पर समस्त विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

सभी संबंधित व्यक्तिगत ध्यान देकर फार्मर रजिस्ट्री के कार्य को तेजी से करते हुए प्रगति बढ़ायें

❍ विभिन्न माध्यमों से शिकायती आवेदन पत्रों में निस्तारण की प्रक्रिया से संतुष्ट न होने वाले आवेदकों से संबंधित अधिकारी स्वयं संपर्क कर करें मामले की जांच

संवाददाता

औरैया। जिलाधिकारी डॉ0 इन्द्रमणि त्रिपाठी ने जूम मीटिंग पर विकास कार्यों सहित जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन की समीक्षा करते हुए फार्मर रजिस्ट्री कार्य की प्रगति कम पाए जाने पर संबंधितों को निर्देशित किया कि वह अपने स्तर से संबंधितों को लक्ष्य निर्धारित कर प्रतिदिन समीक्षा करें जिससे प्रगति बढ़ सके। उन्होंने कहा कि शिथिलता बरतने वालों पर कार्यवाही भी करें। उन्होंने विभिन्न माध्यम से प्राप्त होने वाली समस्या शिकायती संबंधी आवेदन पत्रों के निस्तारण में निस्तारित मामलों में आवेदक द्वारा असंतुष्ट प्रतिशत अधिक पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देशित किया कि विभागीय अधिकारी स्वयं असंतुष्ट आवेदन कर्ता से सम्बाद कर नियमानुसार कार्यवाही करें तथा निस्तारण नियमानुसार संतुष्ट पूर्ण हो साथ ही आवेदक से मिलने एवं वार्ता आदि के साक्ष्य भी अपने पास रखें।

जिलाधिकारी ने जनपद में अभी भी छुट्टा घूम रहे गोवंशों को सुरक्षित गोआश्रय स्थलों में पहुंचाने के लिए उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि वह अपने-अपने

क्षेत्र में आवारा धुट्टा घूमने वाले गोवंशों की सूचना प्रतिदिन संबंधित खंड विकास अधिकारी को उपलब्ध करायें जिससे गोवंशों को गोआश्रय स्थलों में पहुंचाया जा सके। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि प्राप्त होने वाली सूचना के आधार पर गोवंशों को पकड़वाते हुए गोआश्रय स्थलों में पहुंचवाना सुनिश्चित करें और प्रतिदिन की सूचना से अवगत भी करायें। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि विभाग से संबंधित संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार- प्रचार कराते हुए पात्रों का चयन कर नियमानुसार लाभान्वित करायें जिससे जरूरतमंद को लाभ मिले और योजना की उद्देश्य पूर्ति हो सके। उन्होंने कहा कि योजनाएं धरातल पर दृष्टिगत हों कागजों पर ही सीमित न रहें। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने में शिथिलता दृष्टिगत होगी तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

उर्स के पहले दिन हुआ मुशायरे का आयोजन

संवाददाता

मौदहा हमीरपुर। कस्बे सहित क्षेत्र की प्रख्यात दरगाह में शुक्रवार रात शानदार मुशायरे का आयोजन किया गया।कस्बे के मोहल्ला हैदरिया बड़ा कसौड़ा स्थित हजरत ताजुद्दीन बाबा रह.के उर्स के पहले दिन शुक्रवार की रात बाद नमाज इशा शानदार नातिया मुशायरे का आयोजन किया गया जिसकी निजामत कारी अताउर्रहमान कादरी और इंतजाम आकिल बिजनौरी ने की।जबकि शनिवार सुबह मजार पर कुरआन ख्वानी और दिन में दस बजे फातिहा और लंगर का आयोजन किया जाएगा जबकि रविवार को सुबह कुल की फातिहा और लंगर के साथ तीन दिवसीय उर्स का समापन होगा।उर्स कमेटी ने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों से उर्स के सभी कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है।

गेस्ट हाउसो पर नहीं पार्किंग, सड़क पर लगता जाम

संवाददाता

औरैया। शहर में सबसे बड़ी समस्या गेस्ट हाउसो में पार्किंग की व्यवस्था न होना सड़क पर वाहनों का जमावड़ा परेशानियों का कारण बन रहा है। पार्किंग व्यवस्था की कमी से सड़क पर तिरछी बेड़ी गाड़ी खड़ी कर रहे हैं, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही है। शहर में हाइवे पर स्थित माधव मंगलम गेस्ट के बाहर वाहनों का जमावड़ा रहने से मरीज को लेकर आ रही एंबुलेंस जाम में फस गई और इस रोड पर आए दिन जाम लगता रहता है यहां पर जाम के हालात बद से बदतर हो जाते है। वाहनों के लिए पार्किंग व्यवस्था न होने से गेस्ट हाउस के बाहर सड़क पर गाड़ियां तिरछी बेड़ी खड़ी की जाती हैं ऐसे में सड़क पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में गाड़ियां फंस जाती है और दूर दूर तक जाम लग जाता है बताते चले कि इन दिनों सहालग चल रही है। ज्यादातर गेस्ट हाउसो में पार्किंग न होने की वजह से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसके कारण बड़ी संख्या में वाहन गेस्ट हाउस के बाहर खड़े हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में सड़क पर आने जाने वाहन रेंगते नजर आते हैं। खास बात है इन गेस्ट हाउसो में पार्किंग की व्यवस्था न होने से गेस्ट हाउस मालिक सड़क पर ही वाहन स्वामी से बाहर ही वाहन खड़े करवा देते हैं जिससे लोगों को परेशान होना पड़ता है। जिससे आए दिन परेशानियां खड़ी होती हैं। लोग सड़क पर वाहन खड़े कर गेस्ट हाउस में घुस जाते हैं जहां से कामकाज निपटने व खाना खाने के बाद ही बाहर निकलते हैं। ऐसे में बाहर जाम के हालात बन जाते हैं। लेकिन ज्यादातर गेस्ट हाउसो में सीसीटीवी भी न होने से गाड़ी चोरी होने की आशंका रहती है। इन गेस्ट हाउसो में पार्किंग की व्यवस्था कराने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होती है। इसके बाद भी बाहर वाहन पार्किंग की व्यवस्था नहीं कराई जाती है।

एसपी ने कोतवाली का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं शहर में पैदल भ्रमण कर लिया सुरक्षा का जायजा

संवाददाता

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक द्वारा थाना कोतवाली सदर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर, कार्यालय, हवालात आदि का निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। थाना कार्यालयध्महिला हेल्प डेस्क के रजिस्टरों को चेक कर व्यवस्थित रखरखाव हेतु निर्देश दिये गये। मुकदमों से संबंधित मालो का विधिक निस्तारण एवं सही रख-रखाव,शस्त्रों की नियमित साफ-सफाई रखने हेतु निर्देशित किया गया। थाने में लम्बित विवेचनाओं का गुण दोष के आधार पर विधिक निस्तारण करने व थाना क्षेत्र के वांछित अभियुक्तों, वारंटियों की गिरफ्तारी, अवैध शराब, मादक पदार्थों, पशु

तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा थाने पर आने वाले शिकायतों का शत-प्रतिशत निस्तारण करने जाने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन थाने पर आने वाले फरियादियों की शत-प्रतिशत जन सुनवाई कर उनकी समस्याओं का विधिक निस्तारण किया जाये एवं थाना क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाये, महिला सम्बन्धी अपराधों पर रोकथाम और जमीनी संबंधी प्रकरणों में राजस्व विभाग के सहयोग से गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। एसपी ने थाना क्षेत्र में प्रमुख भीड़-भाड़ वाले चौराहों, सराफा बाजार, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों आदि पर पिकेट लगाने व पेट्रोलिंग के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुये प्रभारी निरीक्षक कोतवाली को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

शब ए बारात में कब्रिस्तानों में दिखी रौनक

संवाददाता, मौदहा हमीरपुर। मुस्लिम समुदाय का महत्वपूर्ण त्योहार शब ए बारात क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया इस दौरान जहां कब्रगाहों में रौनक दिखाई दी तो वहीं मजारों में भी भारी भीड़ देखी गई जबकि कोतवाली प्रभारी, तहसीलदार, क्षेत्राधिकारी और उपजिलाधिकारी लगातार क्षेत्र में गश्त करते रहे। इस्लामी कैलेंडर के आठवें महीने शाबान की चौदहवीं तारीख को मनाया जाने वाला शब ए बारात का त्योहार क्षेत्र में उत्साह के साथ मनाया गया जिसके चलते मुस्लिम समुदाय के लोग सारी रात कब्रगाहों और मजारों पर हाजिरी देते रहे।क्षेत्र के कम्हरिया, माचा,परछा के मजारों पर भारी भीड़ देखने को मिली जबकि कस्बे के फत्तेपुर स्थित बड़े पीर, मोदी शहीद बाबा, हैदरिया स्थित पीरबाबा, ताजुद्दीन बाबा, बाघू स्थित दीवान शहीद बाबा के साथ ही पंछीपीर बाबा, सय्यद बाबा सहित अन्य दरगाहों में भारी संख्या में लोगों ने अकीदत मंदी के साथ हाजिरी दी जबकि बाईक से स्टंट और ओवर स्पीड चलाने वालों पर पुलिस निगरानी करती रही जबकि सभी कब्रगाहों में भी बिजली पानी के साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस बल तैनात किया गया था और तहसीलदार मौदहा, कोतवाली प्रभारी उमेश कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी विनीता पहल,उपजिलाधिकारी राजेश कुमार गुप्ता लगातार दौरा करते रहे।

खेत पर सिंचाई करने को लेकर मारपीट

संवाददाता, ललितपुर। थाना पाली के ग्राम सुरउवा निवासी गजेन्द्र सिंह पुत्र जगतसिंह लोधी ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि उसके खेत पर नलकूप (बोर) संयोजन है, जिसमें गांव के रामसिंह पुत्र कोमल आदि शामिल हैं। बताया कि बोर से दोनों पक्ष बारी-बारी से खेतों की सिंचाई करते हैं। हाल ही में रामसिंह का पुत्र पहलवान सिंह ने अपने खेत में सिंचाई कर ली। 11 फरवरी को जब उसकी बारी थी, तो उसने अपने खेतों में सिंचाई शुरू की तो 13 फरवरी को सुबह करीब 11 बजे रामसिंह अपने पुत्र संजू व पहलवान के साथ खेत पर पहुंचे और सिंचाई जल्दी करने के लिए कहने लगे। जब पीड़ित ने लाइट कम आने के कारण देरी होना बताया तो उक्त लोगों ने आग-बबूला होकर उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी दी गयी। पुलिस ने पीडित की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा धारा 115 (2), 352, 351 (3) के तहत एफ्आईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

बीबीएस स्मृति विद्यापीठ को मिली सीबीएसई बोर्ड परीक्षा की जिम्मेदारी

संवाददाता, औरैया। नगर में प्रतिष्ठित संस्थान श्री बी बी एस स्मृति विद्यापीठ को सीबीएसई द्वारा बोर्ड परीक्षा कराने की जिम्मेदारी दी गई है। जिसमें दसवीं के 314 वह बारहवीं वीं के 311 छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे। परीक्षा केंद्र होने के मद्देनजर विद्यालय ने समस्त आधुनिक सुविधाएं जैसे सीसीटीवी इत्यादि की चाक चौबंद व्यवस्था की है, विद्यालय की ओर से दूसरे विद्यालय की छात्राओं के लिए फ्री बस सेवा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। छात्र-छात्राएं अपना पहचान पत्र दिखाकर जालौन चौराहे से श्री बीबीएस स्मृति विद्यापीठ तक जाने के लिए इस सुविधा का लाभ फ्री में उठा सकेंगे। विद्यालय के प्रबंधक गौरव भूषण शर्मा ने बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों की सहायता और सुगमता के लिए यह सराहनीय कदम उठाया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाईक सवार गंभीर

संवाददाता, सुमेरपुर हमीरपुर। सुबह सिसोलर मार्ग पर मुंडेरा गांव के समीप बाइक सवार वृद्ध को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को एंबुलेंस की मदद से उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे सदर अस्पताल रेफर किया गया। मुख्यालय के कालपी चौराहा निवासी रंजीत प्रसाद (56) बाइक से सिसोलर की तरफजा रहे थे।

जनहित में गये पार्षद पर लिखा मुकदमा निरस्त हो : पत्रकार क्लब

बुन्देलखंड मीडिया पत्रकार क्लब रजि. ने डीएम को दिया ज्ञापन

संवाददाता

ललितपुर। बुन्देलखंड मीडिया पत्रकार क्लब रजि. ने जिला कलैक्ट्रेट में जिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी मनीष कुमार को सौंपा, जिसमें जनहित के दो मुद्दे उठाये गये। पहला पार्षद मनमोहन चौबे एडवोकेट पर पूर्ति निरीक्षक द्वारा लिखाये गये मुकदमे को निरस्त करने हेतु तथा दूसरा क्लब की पहल पर राजपूत कॉलौनी में चिन्हित किये गये अतिक्रमण को तत्काल हटाये जाने की माँग को लेकर था। क्लब के पत्रकारों ने बताया कि जनपद में जन आकांक्षाओं को लेकर संघर्ष का पर्याय बन चुके पार्षद एडवोकेट मनमोहन चौबे के विरुद्ध पूर्ति निरीक्षक द्वारा लिखाई गयी प्रथम सूचना रिपोर्ट से जनपद में गलत संदेश जा रहा है। ऐसे में हर जागरूक व्यक्ति जरूरतमंद की मदद करने के लिये किसी विभाग में जाकर सही बात करने से कतराने लगा है। वैसे भी पूर्ति विभाग एक बदनाम विभाग है जहाँ की दरो दीवारें भी बिना पैसा लिये कोई कार्य नहीं करती हैं। एक जरूरतमंद की मदद करने को गये पार्षद पर मुकदमा लिखवाना कतई सही नहीं कहा जा सकता। पत्रकारों ने डीएम से अपेक्षा की है कि इस प्रकरण की सही जाँच कराकर लिखाई गयी प्रथम सूचना रिपोर्ट को निरस्त कराया जाना इसलिये उचित है ताकि आमजन में एक अच्छा संदेश जा सके। दूसरे मामले में जिला प्रशासन को बताया गया कि बुन्देलखंड मीडिया पत्रकार क्लब की पहल और जिला प्रशासन के निर्देश पर राजपूत कॉलौनी में नाले पर किये गये अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर नामजद व्यक्तियों पर कार्यवाही हेतु नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी द्वारा दो दिन का नोटिस देकर कार्यवाही की घोषणा की गयी थी। परन्तु कार्यवाही में लगातार विलम्ब होने से तथाकथित लोग उक्त कालौनी में अतिक्रमणकारियों से मिलकर अवैध

उगाही में जुट गये हैं। विलम्ब होने से तरह तरह की अफवाहों का दौर भी शुरू हो गया है। ऐसे में अविलम्ब कार्यवाही न होने से शासन प्रशासन की छवि पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और अवैध उगाही करने वालों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। अतएव अतिक्रमणकारियों पर तत्काल समुचित और कठोर कार्यवाही आवश्यक है ताकि अन्य दबंगों को भी सीख मिल सके। यही शासन की मंशा भी है। कलैक्ट्रेट में उपजिलाधिकारी ने दौनों मांगों पर जल्द ही कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ज्ञापन की दौनों माँगों पर जल्द ही कार्यवाही का आश्वासन दिया है। ज्ञापन देते समय क्लब के संरक्षकगण रवीन्द्र दिवाकर, जाकिर राज चौहान, राजाराम यादव, जावेद किरमानी, अमित लखेरा, आमिर खान, नाजिर बेग, हसीब खां वकील, शमीम खान, शिशुपाल अहिरवार, सजल दिवाकर, फ्हीम बख्श, मो.आसिफखां एडवोकेट, चरन सिंह, सानू ताम्रकार, अमित रजक आदि मौजूद रहे।

एडीएम ने बाल सम्प्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

संवाददाता, ललितपुर। अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव के निर्देशन में जिला निरीक्षक एवं मूल्यांकन समिति के द्वारा राजकीय संम्प्रेक्षण गृह (किशोर) नेहरूनगर एवं राजकीय बाल गृह बालक दैलवारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं-चिकित्सा, शिक्षा, खानपान, खेल, व्यायाम आदि के बारे में जानकारी लेकर उनके कक्षों को देखकर निर्देश दिये गए कि बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। साथ ही समय-समय पर बाल संरक्षण समिति द्वारा निरीक्षण किया जाए, ताकि बच्चों को कोई समस्या न हो। एडीएम ने कहा कि बच्चों के लिए पलंग एवं भोजन हेतु टेबिल की व्यवस्था की जाए। साथ ही इन्हें योग एवं व्यायाम कराया जाए ताकि ये स्वस्थ रहें। इसके अलावा उन्होंने बच्चों को हुनरमंद बनाने हेतु कौशल विकास के तहत प्रशिक्षण दिलाये जाने के निर्देश दिये गए। राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) नेहरूनगर के निरीक्षण के दौरान सम्प्रेक्षण गृह में कुल 34 किशोर संस्था में निवासरत पाये गये। संस्था के रिकार्डो का अवलोकन किया गया। संस्था में सी.सी.टी.वी. कैमरे लगे है। निरीक्षण में संस्था में निरूद्ध किशोरों का शैक्षिक स्तर परखा गया एवं संस्था की समस्त व्यवस्थाओं के बारे में पूंछा गया। जिसमें सभी किशोरो द्वारा सभी व्यवस्थाये ठीक बताई गयी। यहां पर गैलरी एवं कक्षों में टाइल्स लगवाने के निर्देश दिए गए। राजकीय बाल गृह (बालक) दैलवारा के निरीक्षण में संस्था में 10 बच्चे निवासरत पाये गये। संस्था में प्रत्येक बच्चे के लिए अलग-अलग बिस्तर, कम्बल, तकिया कपड़े दिये जाते है। बालकों से उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, खान-पान आदि की गुणवत्ता परखी गयी, सभी बालकों द्वारा व्यवस्थाये ठीक बताई गयी। निरीक्षण के दौरान समिति द्वारा संस्था में उपलब्ध जगह, कमरो, मनोरंजन कक्ष, शिक्षण कक्ष, शौचालयों, स्नान गृहो एवं रसोई कक्ष का निरीक्षण किया गया इसके बाद बच्चों को प्रदान किये जाने वाले कपडों, विस्तर, लॉकर्स की गुणवत्ता परखी गयी। निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी नीरज सिंह, बाल संरक्षण समिति व जिला निरीक्षक एवं मूल्यांकन समिति के पदाधिकारी सहित कार्यालय के अन्य अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान, किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार

इन अजीबोगरीब इमारतों को देखकर आप भी हो जाएंगे हैरान, किसी का जूते तो किसी का टोकरी जैसा है आकार ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं दुनिया भर में कई ऐसी अजीबोगरीब और विचित्र जगहें हैं जिन्हें देख कर लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी कई जगह है जहां की विचित्र निर्माण शैली को देखकर आप भी सोच में पड़ जाएंगे कि बनाने वाले ने खूब बनाया है। इन्हें एक बार देखने के बाद आपका भी मन करेगा कि इन्हें प्रत्यक्ष रूप से देखा जाए। आज के इस लेख में हम आपको दुनिया की सबसे विचित्र और अनोखी इमारतों के बारे में बताने जा रहे हैं –

उल्टा चर्च

कनाडा के कैलेग्री में स्थित चर्च को देखकर को देखकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। यह चर्च देखने में उल्टा लगता है, जिसके कारण इसका नाम डिवाइस टू रूट आउट डेविल रखा गया है। इसका मतलब श्शैतान को जड़ से उखाड़ने का यंत्र ।श् इस चर्च की ऊंचाई करीब 7 मीटर और चौड़ाई 3 मीटर है। कनाडा आने वाले पर्यटकों के बीच यह चर्च आकर्षण का केंद्र है।

नाचता मकान

नीदरलैंड में स्थित एक घर को देखकर आपको ऐसा लगेगा कि मकान नाच रहा है। इस अनोखे मकान का नाम दो प्रसिद्ध डांसर फ्रेड एस्टेयर और जिंजर रॉजर्स के नाम पर रखा गया है। इस इमारत के दो हिस्से हैं। पहले भाग को शीशे से बनाया गया है, वहीं दूसरा हिस्सा सीधा है। इस मकान में कुल 9 मंजिलें हैं।

टोकरी जैसा ऑफिस

ओहियो के नेवार्क शहर में एक ऑफिस का आकार लकड़ी की टोकरी जैसा है। यह इमारत लॉन्ग बर्गर का मुख्यालय है, जो की लकड़ी की टोकरी बनाने वाली एक कंपनी थी। इस इमारत का निर्माण 1997 में हुआ था।

इसके सात मंजिलों के निर्माण में लगभग 3 करोड रुपए खर्च हुए थे। इस इमारत में ऊपर स्टील के दौरान जल दिए गए हैं और नीचे की टोकरी का आकार है।

जूते के आकार का घर

पेंसिलवेनिया जाने वाले पर्यटकों को हैंस शू हाउस को जरूर देखना चाहिए। इस घर का आकर जूते की तरह है। यह विचित्र इमारत हेलन टाउनशिप में स्थित है।

दुनियाभर से पर्यटक इस बिल्डिंग को देखने आते हैं।

पुस्तकालय के आकार की इमारत

यूनाइटेड स्टेट्स के मिजूरी में कंसास सिटी एक पुस्तकालय के आकार की है। इसे बाहर से देखने पर ऐसा लगता है कि कई सारी किताबें रखी गई हों। इस अनोखी इमारत का आकार 25 से 9 फीट है। इस लाइब्रेरी की दक्षिणी दीवार पर 22 किताबों के अनोखे डिजाइन को इमारत बनाया गया है।

आपके हर स्टाइल को बना देगा खास

जानें क्रॉप टॉप पहनने के तरीके

क्रॉप टॉप की यही तो खासियत है कि वह किसी भी तरह के बॉटम के साथ मैच हो जाता है। स्कर्ट के साथ क्रॉप टॉप का कॉम्बिनेशन बेहद स्टाइलिश लगता है। इसे आप लॉन्ग फ्लेयर्ड स्कर्ड या शॉर्ट स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। स्कर्ट के साथ नॉटिड क्रॉप टॉप बेहद स्टाइलिश लगते हैं। इन दिनों क्रॉप टॉप का फैशन बहुत चलन में है। बॉलीवुड अभिनेत्रियों से लेकर आम लड़कियां भी इसकी दीवानी है और इसका कारण है कि सिंपल क्रॉप टॉप भी स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है यदि इसे सही तरीके से कैरी किया जाए। क्रॉप टॉप को आप कैसे पेयर करके स्टाइलिश लुक पा सकती हैं आइए, जानते हैं।

डेनिम

यदि आप डेनिम के साथ क्रॉप टॉप पहनना चाहती हैं, तो टीशर्ट क्रॉप टॉप ट्राई कर सकती हैं, लेकिन ध्यान रहे कि इसे हमेशा हाई वेस्ट जींस के साथ ही पहनें, लो वेस्ट जींस के साथ क्रॉप टॉप का कॉम्बिनेशन अच्छा नहीं लगता और यह आपका लुक बिगाड़ सकता है।

पलाजो

ऑफिस जाने के लिए क्रॉप टॉप पहन रहीं है, तो इसे पलाजों के साथ पेयर अप करना अच्छा विकल्प है इससे आपको फॉर्मल लुक मिलेगा, बस आपको प्रिंट और कलर्स का ध्यान रखने की जरूरत है। ऑफिस के लिए प्लेन पलाजों के साथ छोटे प्रिंट वाले क्रॉप टॉप ट्राई कर सकी हैं।

स्कर्ट

क्रॉप टॉप की यही तो खासियत है कि वह किसी भी तरह के बॉटम के साथ मैच हो जाता है। स्कर्ट के साथ क्रॉप टॉप का कॉम्बिनेशन बेहद स्टाइलिश लगता है। इसे आप लॉन्ग फ्लेयर्ड स्कर्ड या शॉर्ट स्कर्ट के साथ पहन सकती हैं। स्कर्ट के साथ नॉटिड क्रॉप टॉप बेहद स्टाइलिश लगते हैं। इस बाद का ध्यान रखें कि स्कर्ट लो वेस्ट न हो और बेली के थोड़ा ऊपर हो।

जैकेट के साथ

यदि आप क्रॉप टॉप पहनना चाहती हैं, लेकिन इसके साथ कंफर्टेबल नहीं हो पा रही हैं तो क्रॉप टॉप के ऊपर जैकेट पहन लें। इससे आपका कॉन्फिडेंस तो बढ़ ही जाएगा और आपको स्टाइलिश लुक भी मिलेगा। आमतौर पर जींस के साथ यह लुक बेहद अट्रैक्टिव लगता है।

सेम कलर

यदि आप थोड़ा एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं, तो क्रॉप टॉप को सेम कलर ये प्रिंट के बॉटम के साथ कैरी कर सकती हैं। आप चाहें तो इसे सेम कलर की पैंट, स्कर्ट, पलाजों के साथ पहन सकती हैं।

साड़ी

आपको जानकर हैरानी होगा कि आप स्टाइलिश क्रॉप टॉप को साड़ी के साथ भी पेयर अप कर सकती हैं।

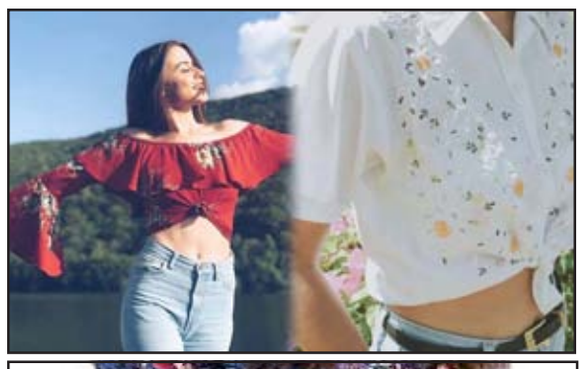

पके कटहल को करें खाने में शामिल, दूर होंगी कई बीमारियां

गर्मियों के मौसम में कटहल हर कोई खाना पसंद करता है। इसमें फाइबर की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। पके कटहल में प्रोटीन भी बहुत ही अधिक मात्रा में पाया जता है। इसके अलावा इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम हृदय संबंधी समस्याओं को दूर रखने में मदद करता है। कटहल आपके लिवर के लिए भी बहुत ही फायदेमंद होता है। तो चलिए आपको बताते हैं कि पका कटहल खाने से आपकी सेहत को और कौन-कौन से फायदे हो सकते हैं...

कटहल के पत्ते भी हैं फायदेमंद

कटहल ही नहीं बल्कि उसके पत्ते भी आपके अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। जिनके मुंह में छाले की समस्या होती है उन्हे कटहल के पत्ते को चबाना चाहिए। इससे उनकी मुंह के छालों में काफी आराम मिलेगा।

पाचन मजबूत

गर्मियों में यदि आपको खाना नहीं पच पाता तो आप पके हुए कटहल को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

यह पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करके आपका वजन सुधारने में भी मदद करता है।

इम्यूनिटी होगी स्ट्रांग

पके कटहल में विटामिन सी भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। विटामिन-सी आपके शरीर में एक एंटीऑक्सीडेंट के रुप में कार्य करता है। इसका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी स्ट्रांग होती है। साथ ही यह आपके शरीर के लिए इम्यूनिटी बूस्टर की तरह काम करता है।

लिवर रहता है स्वस्थ

पके कटहल का सेवन करने से आपका लिवर भी स्वस्थ रहता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व आपके लिवर को मजबूत बनाते हैं। इसमें राइबोफ्लेविन, जिंक, कॉपर और नाइसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो लिवर को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

दिल रहेगा स्वस्थ

पका हुआ कटहल आपके हृदय के लिए भी बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसमें पाया जाने वाला पोटैशियम ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

वजन होगा कम

पके हुए कटहल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं जो आपके शरीर में बढ़ते हुए मोटापे को रोकने में मदद करते हैं। इसका अलावा इसे रेसवेरास्ट्रॉल नाम के एंटीऑक्सीडेंट का भी बहुत ही अच्छा स्त्रोत माना जाता है। यह आपके रक्त के संचार को कंट्रोल करन में भी मदद करता है।

घर में बिल्कुल भी न रखें भोलेनाथ की ऐसी तस्वीर

सुख-शांति का होगा नाश

सही वास्तु शास्त्र घर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता लेकर आता है। इसलिए जरूरी है कि वास्तु की हर छोटी बात का ध्यान रखा जाए खासकर के पूजा घर का, जहां पर हम आपने आराध्य को रखते हैं। कहते हैं कि देवी-देवताओं की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर में भगवान शिव की मूर्ति या तस्वीर लगाते हुए वास्तु शास्त्र के कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। आइए आपको बताते हैं इसके बारे में...

न रखें ऐसी भगवान शिव की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार कभी भी नटराज की मूर्ति नहीं रखनी चाहिए, क्योंकि ये मूर्ति या तस्वीर तांडव नृत्य की मुद्रा में होती है,

जो की विनाश का प्रतीक है। इसलिए इसे घर में न रखें। इससे घर में नकारात्मकता आती है।

रौद्र रूप में न लगाए भगवान शिव की तस्वीर

वास्तु शास्त्र के मुताबिक कभी भी भगवान शिव की तस्वीर ऐसी नहीं रखनी चाहिए जिसमें वह रौद्र रुप में हो, क्योंकि क्रोधित अवस्था में भगवान शिव की तस्वीर स्थापित करने से शुभ फलों की प्राप्ति नहीं होती है।

इस अवस्था में न हो शिव जी की तस्वीर

वास्तु के अनुसार भगवान शिव की तस्वीर ध्यान मुद्रा में बैठे हुई अवस्था में तस्वीर या मूर्ति रखनी चाहिए। कभी भी ऐसी तस्वीर न रखें, जिसमें वह खड़े नजर आ रहे हों। ऐसी तस्वीर को शुभ नहीं माना जाता है।

इस दिशा में न रखें भोलेनाथ की तस्वीर

वास्तु शास्त्र की मानें तो भोलेनाथ की तस्वीर को उत्तर दिशा में नहीं रखना चाहिए, क्योंकि इस दिशा में कैलाश पर्वत है। इस दिशा में रखने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

इन बातों पर भी दें ध्यान

ध्यान रखें ये बातें

– भोलेनाथ की तस्वीर जिस स्थान पर स्थापित की है। उस जगह को हमेशा साफ-सुथरा रखें थोड़ी सी भी धूल न जमने दें। वास्तु के मुताबिक, साफ-सुथरा न रखने से विपरीत प्रभाव पड़ना शुरू हो जाता है।

– वास्तु के मुताबिक, घर में भगवान शिव की परिवार के साथ की तस्वीर रखें।

जिसमें मां पार्वती के साथ भगवान कार्तिकेय और गणपति जी है। ऐसी तस्वीर रखने से घर में सुख-शांति बनी रहती है।

तेजी से ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं लोग

जानिए इसके कारण

मष्तिष्क हमारे शरीर का सबसे अहम हिस्सा माना जाता है। यह सारे अंगों को नियंत्रित करता है परंतु खराब खानपान और बिगड़ते लाइफ स्टाइल के कारण ब्रेन से जुड़ी बीमारियां भी काफी तेजी से फै ल रही हैं। इन्हीं बीमारियों में से एक है ब्रेन स्ट्रोक। यह एक ऐसी बीमारी है जिसकी चपेट में न सिर्फ उम्रदराज बल्कि युवा भी बहुत ही तेजी से आ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में स्ट्रोक हर साल लगभग 13 लाख लोग प्रभावित होते हैं। देश में बढ़ रहे ब्रेन स्ट्रोक के केस को देखकर एक्सपर्ट्स का यह कहना है कि साल 2050 तक स्ट्रोक के कारण मरने वाले लोगों का आंकड़ा 1 करोड़ तक पहुंच जाएगा। हाल ही में बॉलीवुड एक्टर मिथुन चक्रवर्ती भी इस बीमारी का शिकार हुए हैं लेकिन ब्रेन स्ट्रोक के मामले इतने क्यों बढ़ रहे हैं और इसके कारण क्या है आज आपको इस बारे में बताएंगे। आइए जानते हैं।

कैसे होता है ब्रेन स्ट्रोक?

सही ढंग से काम करने के लिए दिमाग को हमेशा पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की जरूरत पड़ती है। ब्लड सर्कुलेशन के जरिए ऑक्सीजन दिमाग तक पहुंचता है। रक्तवाहिका नलियों में ब्लड क्लॉटिंग या उनके फटने के कारण ब्रेन की कोशिकाओं को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता और वे तेजी से खत्म होने लगती हैं। इसी शारीरिक अवस्था को ब्रेन स्ट्रोक कहते हैं। ब्रेन स्ट्रोक दो तरह के होते हैं एक इस्केमिक और दूसरा हेमरैजिक स्ट्रोक।

इस्केमिक स्ट्रोक

इसमें व्यक्ति को दिमाग की नसों में खून जमने की समस्या होती है इसके कारण व्यक्ति के कुछ हिस्सों को ऑक्सीजन युक्त रक्त नहीं मिल पाता। स्ट्रोक के लगभग 87:मामलों में ऐसी ही समस्या देखने को मिलती है।

हेमरैजिक स्ट्रोक

इस स्ट्रोक में मस्तिष्क की नसें फ ट जाती हैं जिसके कारण कुछ हिस्सों में अनियंत्रित रक्त प्रवाह शुरू हो जाता है। यह स्थिति व्यक्ति के लिए बेहद खतरनाक होती है।

सबसे ज्यादा मौतों का कारण बनता है स्ट्रोक

एक्सपर्ट्स की मानें तो देश में 85 प्रतिशत लोग इस्केमिक ब्रेन स्ट्रोक का शिकार होते हैं। इस्केमिक ब्रेन स्ट्रोक के कई कारण हो सकते हैं। परंतु डायबिटीज, हाइपरटेंशन, स्मोकिंग, खान-पान और लिपिड कोलेस्ट्रॉल का बढ़ा हुआ लेवल इस स्ट्रोक का मुख्य कारण हैं। इस्केमिक ब्रेन स्ट्रोक के कारण ब्लड वेसेल्स पतली हो जाती हैं और उसके अंदर चर्बी जम जाती है। जब दिमाग तक खून ठीक से नहीं पहुंच पाता है तो एट्रील फिब्रीलेशन की दिक्कत शुरू हो जाती है, जिसके कारण दिल में छोटी- छोटी गांठे बन जाती हैं। बाद में यही गांठें ब्रेन में पहुंच जाती है और ब्रेन के ब्लड वेसेल्स ब्लॉक हो जाते हैं।

लक्षण

स्ट्रोक आने के बाद लक्षणों से इसका पता लगाया जा सकता है जैसे

.चेहरे का सुन्न होना

. हाथ या पैर का अचानक सुन्न होना

. कमजोरी होना

. हाथ से लेकर पैर तक का शरीर का एक हिस्सा लकवाग्रस्त होना

. अचानक तेज सिर दर्द होना

. बोलने में कठिनाई होना

. आवाज सही नहीं आना

. मुंह का टेढ़ा होना

कारण

. स्ट्रोक आने का ज्यादा खतरा उन लोगों को रहता है जिनका बीपी अचानक से बढ़ जाता है।

. इसके अलावा यदि कोई स्मोकिंग या शराब का सेवन करता है तो भी उसे स्ट्रोक हो सकता है।

. देर रात तक जागना, लैपटॉप पर देर रात तक काम करना, मोबाइल-टीवी पर देर तक स्क्रीन देखने के कारण भी ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है।

. ज्यादा फास्ट फूड और जंक फूड खाने के कारण

. ज्यादा तेल, मसाला आदि का सेवन करने वाले लोगों को भी ब्रेन स्ट्रोक का खतरा रहता है।

. नियमित एक्सरसाइज न करने के कारण

. इसके अलावा जिन लोगों का शुगर या बीपी घटता बढ़ता है उन्हें इसका खतरा हो सकता है।

कैसे करें बचाव?

. ब्रेन स्ट्रोक की बीमारी में ब्लड प्रेशर, डायबिटीज जैसी समस्याएं कॉमन है ऐसे में खान-पान में लापरवाही न बरतें।

. जिन लोगों में बीपी ज्यादा होता है या यह नीचे-ऊपर गिरता है तो उन्हें भी स्ट्रोक हो सकता है।

. देर रात तक जागने की आदत को बदलें और सोने से 1-2 घंटे पहले किसी भी तरह की स्क्रीन न देंखे।

. पूरी नींद लें।

अंडर गारमेंट्स की फिटिंग सही नहीं है तो आप हो जायेंगे परेशान

अगर आपके अंडर गारमेंट्स की फिटिंग सही नहीं है तो आप चाहकर भी कॉन्फिडेंट और प्रेजेंटेबल नहीं दिख पाएंगी। इतना ही नहीं सही फिटिंग की ब्रा ना पहनने के कारण आपके ब्रेस्ट का स्ट्रक्चर खराब हो सकता है। इसके अलावा गलत तरीके से ब्रा पहनने से कंधे में दर्द जैसी कई शारीरिक समस्याएं भी हो सकती हैं। हर महिला कॉन्फि डेंट और स्मार्ट दिखना चाहती है। अक्सर हम अच्छा दिखने के लिए अपने लुक और पहनावे को बहुत महत्व देते हैं। लेकिन आप चाहे जितने ही अच्छे कपड़े क्यों न पहन लें, अगर आपके अंडर गारमेंट्स की फिटिंग सही नहीं है तो आप चाहकर भी कॉन्फि डेंट और प्रेजेंटेबल नहीं दिख पाएंगी। इतना ही नहीं सही फिटिंग की ब्रा ना पहनने के कारण आपके ब्रेस्ट का स्ट्रक्चर खराब हो सकता है। इसके अलावा गलत तरीके से ब्रा पहनने से कंधे में दर्द जैसी कई शारीरिक समस्याएं भी हो सकती हैं। आज हम आपको बताएंगे कि ब्रा खरीदते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इन टिप्स को अपनाकर आप अपने लिए सही ब्रा चुन पाएंगी नई ब्रा खरीदते समय सबसे पहले आपको अपना बैंड साइज नापना होगा। बैंड साइज यानी आपके बस्ट का निचला भाग जहां ब्रा का बैंड होता है। इंच टेप से बैंड साइज नापकर लिख लीजिए। ध्यान दें ब्रा बैंड यानी ब्रा की हुक लगाने वाली बेल्ट पूरी तरह सही लगती और आपकी पीठ के बीच में आती हो। ब्रा पहनते समय इस बात का ध्यान रखें कि कप सही जगह पर हों। ब्रा के कप में आपके ब्रेस्ट फिट हो जाने चाहिए। ब्रा पहनने के लिए आगे की ओर बेंड होकर पहनें। सुनिश्चित करें कि ब्रा कप तना हुआ हो और उसमे अतिरिक्त जगह न हो। यह सुनिश्चित करना भी जरुरी है कि ब्रा पहनने के बाद पट्टियां कंधों पर ठीक से बैठें। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि ब्रा की स्ट्रैप ढीली न हो। वहीं, अगर ब्रा की पट्टियां कन्धों में चुभ रही हैं तो इसका मतलब आपको एक बड़े साइज की ब्रा की जरूरत है। ब्रा की पट्टियाँ अक्सर पीठ या कंधे पर मुड़ जाती हैं। इससे आपको पूरे टाइम अनकम्फर्टेबल फील हो सकता है। इसलिए सुनिश्चित करें कि ब्रा-स्ट्रैप और कंधों के बीच एक उंगली की जगह हो। कई बार ब्रेस्ट की मसल्स ब्रा से बाहर निकल आती हैं। चाहे आप कपड़े पहन भी लें, तब भी ये निकली हुई ही नजर आती हैं। आमतौर पर ऐसा तब होता है जब आप ब्रेस्ट से छोटी ब्रा पहनती हैं। इसलिए अपने ब्रेस्ट साइज को ध्यान में रखते हुए ब्रा खरीदें।

भारतवंशी तुलसी खुफिया निदेशक बनीं, पीएम मोदी ने अमेरिका में लैंड करते ही की मुलाकात

(एजेंसी)

ट्रंप सरकार में काश पटेल और तुलसी गैबार्ड को अहम जिम्मेदारी दी गई है। ट्रंप ने काश पटेल को एफ बीआई चीफ के पद के लिए नॉमिनेट किया है। वहीं तुलसी गबार्ड को यूएस नेशनल इंटेलिजेंस का निदेशक नामित किया। बाद में दोनों को ही सीनेट के सामने पेश होना पड़ा पड़ा था। अब खबर है कि अमेरिकी सीनेट ने 52 के मुकाबले 48 मतों से तुलसी गबार्ड की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के रूप में नियुक्त की पुष्टि कर दी है। इससे रिपब्लिकन सांसदों पर राष्ट्रपति ट्रम्प के राजनीतिक नियंत्रण का पता चलता है। सिर्फ केंटकी के रिपब्लिकन नेता मिच मैककोनेल ने उनके खिलाफ वोट दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका पहुंच चुके हैं। अमेरिका पहुंचने पर एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का जोरदार स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने वाशिंगटन डीसी में यूएसए की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। उन्हें उनकी नियुक्ति पर बधाई दी। पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट कर बताया कि भारत-यूएसए ने विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। गबार्ड को 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति बशर अल-असद से मिलने के लिए सीरिया की यात्रा के लिए भी जांच का सामना करना पड़ा था। यह यात्रा तब हुई जब अमेरिकी सरकार ने असद से अपने नागरिकों के खिलाफ रासायनिक हथियारों सहित सरकार के हमलों के कारण पद छोड़ने की मांग की। उनकी यात्रा की उस समय सदन के दोनों ओर के सांसदों ने आलोचना की। सुनवाई में गबार्ड ने सांसदों से कहा कि उन्होंने असद से उनके अपने शासन के कार्यों के बारे में कठिन सवाल पूछे। उन्होंने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि मुझे असद या गद्दाफी या किसी तानाशाह से कोई खास लगाव नहीं है। गबार्ड ने कहा कि उन्होंने दिसंबर में जब सशस्त्र विद्रोहियों ने सीरियाई शहर दमिश्क पर कब्जा कर लिया था तो असद शासन के पतन के लिए कोई आंसू नहीं बहाए थे। लेकिन आज हमारे पास एक इस्लामी चरमपंथी है जो अब सीरिया का प्रभारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांसीसी आर्मी को पिनाका एमबीएलाआर (मल्टीबैरल रेंकिट लॉन्चर) को करीब से देखने के लिए आमंत्रित किया। इस बात पर भी जोर दिया कि अगर फ्रांस इस सिस्टम को अपनाता है, तो यह भारत-फ्रांस रक्षा संबंधों में एक और अहम उपलब्धि होगी। आपको बता दें कि पिनाका रॉकेट सिस्टम पूरी तरह से स्वदेशी है। ये शुरुआत से लेकर अंत तक भारत में ही बना है। ऐसे में फ्रांस पहला ताकतवर विकसित देश हो सकता है जिसके हाथों में पिनाका रॉकेट सिस्टम होगा। भगवान शिव के धनुष पिनाक के नाम पर भारत के देसी पिनाका का नाम रखा गया। एक ऐसा मिसाइल सिस्टम जो पलक झपकते दुश्मन को खाक कर देगा। 44 सेकेंड में 12 रॉकेट दागेगा जिसके बाद सिर्फ धुंआ ही धुंआ नजर आएगा। भारत में स्वदेशी तौर पर विकसित की गई पिनाका रॉकेट सिस्टम के तीन वैरिएंट हैं।

ट्रंप की धमकी बाद जॉर्डन का फिलिस्तीनियों को बसाने से इंकार, सिर्फ गाजा के 2000 बीमार बच्चों को देगा शरण

(एजेंसी)

वाशिंगटन। अमेरिका दौरे पर गए जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला ने साफ कर दिया है कि उनका देश फिलिस्तीनियों को बसाने की योजना का समर्थन नहीं करेगा। हालांकि, उन्होंने घोषणा की है कि जॉर्डन गाजा के 2000 गंभीर रूप से बीमार बच्चों को अपने यहां इलाज के लिए शरण देगा। इनमें कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चे शामिल हैं, जिन्हें जल्द से जल्द जॉर्डन पहुंचाया जाएगा। मंगलवार को व्हाइट हाउस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के दौरान किंग अब्दुल्ला ने इस फैसले की जानकारी दी। ट्रम्प फिलिस्तीनियों को गाजा से बाहर निकालकर मिस्र और जॉर्डन में बसाने की योजना बना रहे हैं और इस पर सहमति न देने पर दोनों देशों की अमेरिकी आर्थिक मदद रोकने की चेतावनी भी दे चुके हैं। हालांकि, अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर स्पष्ट किया कि जॉर्डन फिलिस्तीनियों को स्थायी रूप से बसाने की योजना का हिस्सा नहीं बनेगा। ट्रम्प ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा था कि अमेरिका गाजा में एक नया विकसित शहर बनाएगा, जिसमें लग्जरी घर और रिसॉर्ट होंगे। उनके मुताबिक, गाजा के पुनर्निर्माण की बजाय फिलिस्तीनियों को किसी अन्य स्थान पर बसाना बेहतर विकल्प होगा। इजराइल ने ट्रम्प की इस योजना का समर्थन किया है। इजराइली रक्षा मंत्री योआव गैलेंट ने सेना को इस योजना के लिए संभावित तैयारियां करने के निर्देश भी दिए हैं। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इसे ऐतिहासिक परिवर्तनष् बताया है। गाजा पर शासन कर रहे हमास ने इस प्रस्ताव को सख्ती से खारिज कर दिया है। हमास ने कहा, हमारे लोग 15 महीने से गाजा में संघर्ष कर रहे हैं, अपनी जमीन छोड़ने का सवाल ही नहीं उठता। हम किसी भी पुनर्वास योजना को स्वीकार नहीं करेंगे। गाजा में 15 महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध के चलते करीब 23 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं और लगभग 60: इमारतें नष्ट हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, इन इमारतों को फिर से बनाने में कई दशक लग सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान में जॉर्डन में 20 लाख से अधिक फिलिस्तीनी शरणार्थी रह रहे हैं, जिनमें से कई को नागरिकता भी मिल चुकी है। वहीं, युद्ध शुरू होने के बाद हजारों फिलिस्तीनी मिस्र भाग चुके हैं, लेकिन मिस्र सरकार उन्हें शरणार्थी का दर्जा देने से इनकार कर चुकी है। पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में तत्कालीन विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने फिलिस्तीनियों को जबरन विस्थापित करने के किसी भी प्रयास का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि गाजा छोड़ने के लिए फिलिस्तीनियों पर दबाव नहीं डाला जाना चाहिए। अब देखना यह होगा कि जॉर्डन के इस इनकार के बाद ट्रम्प और इजराइल की योजना किस दिशा में आगे बढ़ती है।

बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व वाले प्रदर्शनों पर कार्रवाई में 1,400 लोगों की मौत की आशंका : संरा

(एजेंसी)

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने कहा कि बांग्लादेश में पिछले साल गर्मियों में छह सप्ताह के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ छात्रों के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों पर की गई कार्रवाई में 1,400 से अधिक लोगों की मौत होने की आशंका है। जिनेवा स्थित कार्यालय ने एक नयी रिपोर्ट में कहा है कि सुरक्षा और खुफिया सेवाएं व्यवस्थित रूप से अधिकारों के उल्लंघन में संलिप्त हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध हो सकते हैं और इनकी जांच की आवश्यकता है। मानवाधिकार कार्यालय ने ''विभिन्न विश्वसनीय स्रोतों'' का हवाला देते हुए कहा कि एक जुलाई से 15 अगस्त के बीच हुए प्रदर्शनों में 1,400 से अधिक लोगों के मारे जाने और हजारों लोगों के घायल होने की आशंका है। बांग्लादेश में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना देश छोड़कर भारत आ गईं थी और पिछले साल पांच अगस्त से वह यहां हैं। इन व्यापक प्रदर्शन के बाद उनकी अवामी लीग की 16 साल पुरानी सरकार गिर गयी थी।

इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने आठ अगस्त, 2024 को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कार्यभार संभाला था। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने संकेत दिया कि विरोध-प्रदर्शनों को दबाने के लिए राजनीतिक नेतृत्व और शीर्ष सुरक्षा अधिकारियों की जानकारी और समन्वय से न्यायिक हत्याएं, व्यापक रूप से मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां की गईं।

50,000 करोड़ के पार होगा भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट

अमेरिका और फ्रांस भी अब खरीदेंगे Made in India वाले हथियार

(एजेंसी)

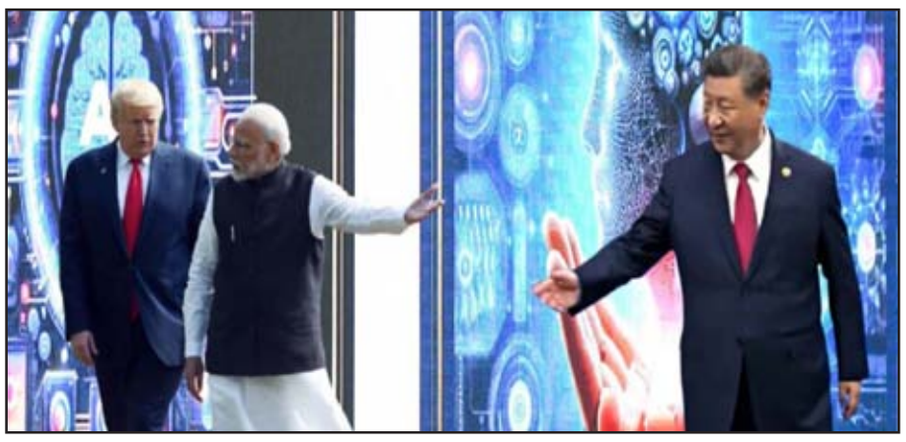

पिनाका मल्टी बैरल रॉकेट लांचर सिस्टम को लेकर फ्रांस के साथ डील की खबरों के बीच साल 2023 24 में भारत ने दूसरे देशों को 21000 करोड रुपए के हथियार बेचे हैं। अब क्योंकि भारत की डिफेंस इंडस्ट्री ग्रो कर रही है तो यह एक बड़ा नंबर है। लेकिन सबसे मजेदार बात यह है कि भारत कुछ साल पहले तक अमेरिका और फ्रांस से बड़ी मात्रा में हथियार लेता था। अब भारत इन देशों को डिफेंस मैटेरियल एक्सपोर्ट कर रहा है। वह दिन दूर नहीं जब यह देश भारत में बने स्वदेशी हथियारों की खरीद करेंगे। देश के डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। यह सेक्टर पहले आयात पर निर्भर रहता था, लेकिन अब अत्याधुनिक सैन्य प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक केंद्र बन गया है। आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास अब इंपोर्टेड कंपोनेंट्स को असेंबल करने तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक मानकों को टक्कर देने वाली अगली पीढ़ी की डिफेंस सिस्टम विकसित करने तक विस्तारित हो चुका है। एक दशक पहले तक भारत का रक्षा निर्यात मात्र 2000 करोड़ था। 2024 में यह 21000 करोड़ तक पहुंच गया है। एक दशक में अप्रत्याशित रूप से आकर बढ़ा है। भारत के हथियार ज्यादातर देशों से निर्यात किए गए हैं। ऐसे में बड़े डिफेंस प्लेयर्स के आगे छोटी सी भारत की डिफेंस इंडस्ट्री के लिए बड़ा चौलेंज था। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत एयरोस्पेस कंपोनेंट्स और कॉम्प्लेक्स सिस्टम असेंबली के लिए ग्लोबल स्तर पर एक पसंदीदा डेस्टिनेशन बन चुका है। सार्वजनिक और निजी इंडस्ट्री अहम भूमिका निभा रही हैं। 2025-26 के अंत तक रक्षा उत्पादन 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा और रक्षा निर्यात 30,000 करोड़ को पार कर जाएगा। 2025-26 के लिए डिफेंस मंत्रालय को 6,81,210 करोड़ रुपये का कुल आवंटन हुआ है, जो साल-दर-साल 9.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। डिफेंस का बजट केंद्रीय बजट का 13.45 प्रतिशत है, यह बाकी मंत्रालयों की तुलना में सबसे अधिक है। रक्षा मंत्रालय ने डिफेंस प्रोडक्शन में 16.7 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि के साथ वित्त वर्ष 2023-24 में 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग की मजबूत इकोलॉजी, एडवांस रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट व दूरदर्शी नीति ढांचे के साथ, देश ऐसे भविष्य को आकार दे रहा है, जहां आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा एक साथ आगे बढ़ रही है। स्वदेशी विशेषज्ञता को रणनीतिक वैश्विक सहयोग के साथ एकीकृत करके देश एक ऐसे डिफेंस सेक्टर का मार्ग प्रशस्त कर रहा है, जो न केवल टिकाऊ है बल्कि वैश्विक सिक्योरिटी लैंडस्केप में एक प्रमुख योगदानकर्ता भी है।

नारायण मूर्ति की इंफोसिस ने ट्रेनी को निकाला

(एजेंसी)

नारायण मूर्ति की आईटी दिग्गज कंपनी इंफोसिस ने लगभग 400 ट्रेनी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के पीछे कारण है कि सभी कर्मचारी अनिवार्य आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा पास करने में विफल रहे। आईटी कंपनी के मैसूर कैंपस में सामूहिक बर्खास्तगी की यह घटना हुई। इस फैसले से कई कर्मचारी भावुक हो गए क्योंकि उन्हें तुरंत परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि इसकी प्रभासाक्षी कोई पुष्टी नहीं करता है। इंफोसिस प्रबंधन ने 7 फरवरी को प्रशिक्षुओं को नौकरी से निकाल दिया। खास बात यह है कि इन प्रशिक्षुओं ने देश की अग्रणी आईटी दिग्गज कंपनियों में से एक में शामिल होने के लिए ढाई साल तक इंतजार किया। उन्हें 2022 में ऑफर लेटर मिले। नौकरी से निकाले गए एक प्रशिक्षु ने मनीकंट्रोल को बताया कि आईटी छंटनी संबंधी प्रावधान क्रूरतापूर्ण है और कर्मचारी सच बोलने से डरते हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक बर्खास्त प्रशिक्षु ने कहा, यह क्रूरता है, यह एक बड़ी कंपनी है, और प्रशिक्षु सच बोलने से डरते हैं। कंपनी ने समाचार एजेंसी पीटीआई की पूछताछ का जवाब देते हुए कहा कि सभी नए कर्मचारियों को मूल्यांकन पास करने के लिए तीन अवसर दिए जाते हैंय यदि वे सफल नहीं होते हैं, तो वे कंपनी में नहीं रह सकते। कंपनी के अनुसार, यह नीति उनके अनुबंध में उल्लिखित है और बीस वर्षों से अधिक समय से लागू है। छंटनी एक संगठित तरीके से की गई थी, जिसमें 50 प्रशिक्षुओं के समूहों को सुबह 9:30 बजे अपने लैपटॉप के साथ बुलाया गया था। सूत्रों ने संकेत दिया कि पूरी प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा कर्मचारी और बाउंसर मौजूद थे।

63 हजार करोड़ की डील ले उड़ा फ्रांस?

(एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी फ्रांस के बाद अमेरिका के दौरे पर पहुंच गए। जहां उनका जोरदार स्वागत भी हुआ है। इससे पहले पीएम मोदी के पेरिस प्रवास के दौरान भारत-फ्रांस अडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टर और स्मॉल मॉड्यूल रिएक्टर साझा तौर पर विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ गए हैं। वहीं खबरों के अनुसार फ्रांस ने भारत को 63 हजार करोड़ की मेगा डील का ऑफर दिया है। इस डील के तहत न्यूक्लियर पावर एयरक्राफ्ट करियर यानी एनपीएसी बनाया जाएगा जो भारत की नौसेना को एक नया आयाम देगा। ये डील अप्रैल 2025 तक फाइनल हो सकती है। खास बात ये है कि ये गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट डील होगी। यानी भारत और फ्रांस की सरकारें सीधे इसमें शामिल होंगी। आपको बता दें कि एयरक्राफ्ट करियर एक विशाल युद्धपोत होता है जो समुंद्र में तैरते हुए एक फ्लाइंग एयरबेस की तरह काम करता है। इससे फाइटर जेट्स उड़ान भर सकते हैं और वहीं पर लैंड भी कर सकते हैं। फ्रांस द्वारा प्रस्तावित ये एयरक्राफ्ट करियर 75 हजार टन का होगा जिसे जरूरत पड़ने पर 78 हजार टन तक अपग्रेड किया जा सकता है। इसकी लंबाई 305 मीटर और चौड़ाई 79 मीटर होगी। इसमें 17 स्क्वायर मीटर का फ्लाइंग डिक होगा जिसमें 30 राफेल जेट और 6 मीडियम हेलीकॉप्टर आसानी से तैनात किए जा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को डिफेंस, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में सहयोग पर विस्तार से मंथन किया। भारत-फ्रांस ने साथ मिलकर नए और आधुनिक परमाणु रिएक्टर डिवेलप करने की योजना बनाई। दोनों देशों ने स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) और अडवांस्ड मॉड्यूलर रिएक्टर (एएमआर) पर सहयोग करने के लिए एक समझौता किया। यह भी तय किया कि परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में ट्रेनिंग और शिक्षा को बढ़ावा दिया जाएगा।

आम आदमी को मिली बड़ी राहत, पांच महीने के निचले स्तर पर इनफ्लेशन

(एजेंसी)

सरकारी आंकड़ों के अनुसार उपभोक्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण राहत में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में घटकर 4.31: हो गई, जो दिसंबर में 5.22: से तेज गिरावट थी। मुद्रास्फीति में गिरावट मुख्य रूप से कम खाद्य कीमतों और स्थिर मुख्य मुद्रास्फीति के कारण है, जो घरेलू बजट के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश करती है। यह पिछले चार महीनों में सबसे कम खुदरा मुद्रास्फीति दर है, जो इसे भारतीय रिजर्व बैंक के 4: के लक्षित आराम क्षेत्र के करीब लाती है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में 5.22 प्रतिशत और जनवरी 2024 में 5.1 प्रतिशत थी। खाद्य टोकरी में मुद्रास्फीति 6.02 प्रतिशत थी, जो दिसंबर में 8.39 प्रतिशत और एक साल पहले के महीने में 8.3 प्रतिशत से कम थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि खुदरा मुद्रास्फीति दोनों तरफ2 प्रतिशत के मार्जिन के साथ 4 प्रतिशत पर बनी रहे।

90 घंटे काम के सप्ताह विवाद के बाद, एलएंडटी के चेयरमैन सुब्रह्मण्यन ने सरकारी नौकरियों पर दिया बयान

(एजेंसी)

इन दिनों वर्क कल्चर, काम के घंटों को लेकर कई तरह की बातें सुनने को मिल रही है। आए दिन इन पर नया बयान सामने आता रहा है। भारत के जल्दी विकास के उद्देश्य से कई उद्योगपति ऐसे बयान देते रहे है। इसी कड़ी में अब लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एस.एन. सुब्रह्मण्यन ने भी नई बात कही है। एस एन सुब्रह्मण्यन ने निर्माण उद्योग में श्रमिकों की भारी कमी के बारे में चिंता जताई है। मंगलवार को चेन्नई में सीआईआई साउथ ग्लोबल लिंकेज समिट में बोलते हुए उन्होंने मजदूरों में काम करने की इच्छा की कमी के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की उपलब्धता और बढ़ी हुई सहूलियत को जिम्मेदार ठहराया। उनकी टिप्पणियों ने एक बार फिर व्यापक बहस छेड़ दी है। सुब्रमण्यन ने बताया कि निर्माण उद्योग को 400,000 से अधिक मजदूरों की आवश्यकता है। हालाँकि, इस कार्यबल को आकर्षित करना और बनाये रखना लगातार चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर में लोग नौकरी की तलाश में पलायन कर रहे हैं, लेकिन भारत में कामगार काम के लिए दूसरी जगह जाने को तैयार नहीं हैं। किसी देश के विकास के लिए सड़कें, बिजली संयंत्र और अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण बहुत जरूरी है। चुनौती पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, ष्हमें सालाना 400,000 कर्मचारियों को काम पर रखने की जरूरत है, और नौकरी छोड़ने की दर को ध्यान में रखते हुए, हम हर साल लगभग 6 मिलियन लोगों की भर्ती करते हैं। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में बदलावों के बारे में विस्तार से बताया, जैसे कि कंपनी के पिछले कर्मचारियों की सूची में शामिल बढ़ई को संदेश भेजना, ताकि वे यह तय कर सकें कि उन्हें नौकरी लेनी है या नहीं। इस समस्या से निपटने के लिए एलएंडटी ने श्रम के लिए मानव संसाधन नामक एक विशेष विभाग की स्थापना की है। सुब्रमण्यन खुद भी कभी-कभी इसके संचालन में भाग लेते हैं। इन प्रयासों के बावजूद, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाहरी कारकों से प्रभावित श्रमिकों के रवैये में बदलाव के कारण समस्या बनी हुई है। सुब्रमण्यन के अनुसार, जनधन खाते, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) जैसी सरकारी पहलों ने लोगों को काम के लिए अपने ग्रामीण क्षेत्रों से बाहर जाने के लिए कम इच्छुक बना दिया है। उन्होंने कहा, ष्इन कल्याणकारी उपायों के साथ, लोग ग्रामीण क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं और अधिक आरामदायक जीवन शैली का आनंद लेते हैं।ष सुब्रमण्यन ने कार्य संस्कृति में व्यापक पीढ़ीगत बदलाव के बारे में भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग स्नातक और अन्य क्षेत्रों के पेशेवर भी स्थानांतरित होने के लिए तैयार नहीं हैं। 1983 में अपने शुरुआती करियर को याद करते हुए उन्होंने कहा, मेरे बॉस ने एक बार मुझसे कहा था कि अगर आप चेन्नई से हैं, तो आपको दिल्ली में काम करना चाहिए। लेकिन आज, अगर मैं चेन्नई के किसी युवा को दिल्ली में काम करने के लिए कहता हूं, तो वे बस अलविदा कह देते हैं।

मै स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सरोज त्रिवेदी द्वारा के. सी. प्रकाशन प्रा0 लि0 एस-20 यू.पी.एस.आई.डी.सी. औद्योगिक क्षेत्र सरोजनी नगर जिला लखनऊ से मुद्रित कराकर फ्लैट सं. 101 सफायर कोर्ट 3ए, जापलिंग रोड लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक सरोज त्रिवेदी R.N.I No. UPHIN/2010/36179 Mob: 9451912645 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों का चयन रिपोर्टरो/पीआईबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ के अधीन समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों व समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों/रिपोर्टरों की होगी।

विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रैंड फिनाले में खिलाड़ियों को मिले शानदार नगद पुरस्कार

राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर के खेल प्रेमियों के बीच जोश और उत्साह का माहौल कायम करने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता अपने अंतिम दौर में प्रवेश कर गई है। शुक्रवार को जय जगत पार्क, कानपुर रोड पर सीएमएस स्कूल के निकट आयोजित इंटर स्पोर्ट्स क्रिकेट लीग के ग्रैंड फिनाले में उत्साही खेल प्रेमियों ने शानदार प्रदर्शन देखा। इस ऐतिहासिक मुकाबले में सेंट फ्रांसिस मिशन स्कूल और आदर्श इंडिया मोंटेसरी इंटर कॉलेज की टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें आदर्श इंडिया मोंटेसरी इंटर कॉलेज ने 9 विकेट से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया।

सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह द्वारा अपनी पूज्य माता श्रीमती तारा सिंह जी की स्मृति में शुरू की गई सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग अब तक 8,000 से अधिक युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान कर चुकी है। इस लीग का उद्देश्य सिर्फ खेल को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि युवाओं में अनुशासन, समर्पण, फिटनेस, और टीम स्पिरिट जैसे महत्वपूर्ण गुणों का विकास करना भी है। ग्रैंड फिनाले के इस ऐतिहासिक अवसर पर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने विजेता टीम को 50,000, उपविजेता टीम को 25,000, और हर खिलाड़ी को 2,500 की प्रोत्साहन राशि, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इसके अलावा, मैन ऑफद सीरीज आशुतोष पांडेय और मैन ऑफद मैच विनय को 1,000 रुपये नगद पुरस्कार और शील्ड प्रदान की गई। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि यह केवल एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि खेलों के माध्यम से युवाओं को सशक्त करने का एक मंच है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने 2 दिसंबर 2022 को सरोजनीनगर स्पोर्ट्स लीग की शुरुआत की थी, और तब से यह लीग युवाओं के लिए एक प्रेरणा और अवसर बन चुकी है। अब तक इस लीग के विभिन्न चरणों में सैकड़ों

खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है, जिसमें अंडर-19 गर्ल्स बास्केटबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल जैसे प्रमुख टूर्नामेंट शामिल रहे हैं। आगामी चरणों में और भी अधिक खेल आयोजनों की योजना बनाई गई है।

राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी का हुआ भव्य स्वागत-

मुंशी पुलिया फ्लाई ओवर के लोकार्पण के लिए लखनऊ आगमन पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपनी विधानसभा क्षेत्र के निकट खुर्दही बाजार, किसान पथ मोड़ पर हजारों समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ भव्य स्वागत किया। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और महापौर लखनऊ सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रही।

कर्मचारी शिक्षक संयुक्त मोर्चा उत्तर प्रदेश की बैठक आयोजित

संवाददाता

लखनऊ। वी0पी0 मिश्र अध्यक्ष एवं शशि कुमार मिश्र महासचिव के नेतृत्व में 8वें वेतन आयोग के गठन के परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार के पत्र संख्या-01-01/2025- (I) दिनांक 17.01.25 के क्रम में वित्त वेतन आयोग अनुभाग-2 उ0प्र0 शासन द्वारा पत्र संख्या-वे0आ0-2-78/दस/2025 दि0 11.02.25 के क्रम में प्रदेश के राज्य कर्मचारियों, स्थानीय निकायों, निगमों, प्राधिकरणों, शिक्षकों आदि के कर्मचारियों के संवर्गों हेतु उ0प्र0 शासन द्वारा मांगों हेतु सुझाव हेतु संयुक्त मोर्चा के घटक संगठनों के एक अहम बैठक नगर निगम महासंघ कार्यालय में आहूत की गयी, जिसमें प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के कैडर एवं संवर्गों की बेहतरी हेतु सुझावों पर व्यापक चर्चा करते हुए प्रदेश सरकार के वित्त मंत्रालय एवं मुख्य सचिव के अवलोकनार्थ ई-मेल एवं हार्ड कॉपी द्वारा प्रेषित किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से सातवें वेतन आयोग की विसंगतियों एवं संवर्गों के पुर्नगठन आदि न होने के कारण हो रहे कर्मचारी समाज को आर्थिक क्षति से अवगत कराते हुए व्यापक रूप से 18 बिन्दुओं के सुझाव प्रेषित करते हुए आशा व्यक्त की गयी है कि संयुक्त मोर्चा द्वारा दिये गये सुझाव पर केन्द्र सरकार की समानता को ध्यान रखते हुए प्रदेश सरकार द्वारा कर्मचारी समाज की बेहतरी हेतु प्रस्तुत सुझावों पर अक्षरश: पालन किया जायेगा। जिससे कर्मचारी एवं प्रदेश की संस्थाओं एव कार्य पद्धति में गुणात्मक सुधार आयेगा। बैठक में प्रमुख रूप से सतीश कुमार पाण्डे, अतुल कुमार मिश्र, एन0के0 मिश्र, सै0 कैसर रजा, संदीप बडोला, आर0पी0 सिंह, सुरेश रावत, सुनील यादव, राम कुमार धानुक, अमित खरे, मनोज मिश्र, गिरीश मिश्र, राजेन्द्र पटेल, हेमन्त चौधरी, विवेक यादव, त्रिवेन्द्र चौहान, सुभाष श्रीवास्तव, पी0के0 सिंह आदि राज्य/निकाय/निगम/शिक्षक कर्मचारी प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

बीबीएयू एमबीए छात्रों का एचसीएल समुदाय केंद्र, संडीला (हरदोई) का शैक्षणिक दौरा

संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के प्रबंधन अध्ययन विभाग के एमबीए छात्रों ने 14 फरवरी 2025 को हरदोई जिले के संडीला स्थित एचसीएल समुदाय केंद्र का शैक्षणिक दौरा किया। इस अध्ययन भ्रमण का नेतृत्व विभागाध्यक्ष एवं डीन प्रो. अमित कुमार सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। उनके साथ सहायक प्रोफेसर डॉ. रमेश कुमार चतुर्वेदी एवं डॉ. अर्पित शैलेश भी मौजूद रहे। इस दौरान एचसीएल समुदाय की ओर से सौरभ तिवारी एवं उनकी टीम ने छात्रों को विस्तृत जानकारी प्रदान की और विभिन्न परियोजनाओं की कार्यप्रणाली को गहराई से समझाया।

दौरे के दौरान छात्रों ने एचसीएल कॉरपोरेशन की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल, एचसीएल समुदाय के अंतर्गत संचालित विभिन्न परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान छात्रों ने कृषि तकनीकी प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया, जहां उन्होंने जाना कि एचसीएल किसानों को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने में कैसे सहायता कर रहा है। इसके बाद छात्रों ने बनास डेयरी का भ्रमण किया और जाना कि कैसे सहकारी संस्थाएं ग्रामीण समुदायों को दूध संग्रहण एवं विपणन में सहयोग प्रदान कर उनकी सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति कर रही हैं। इसके अलावा, छात्रों ने मॉडल पंचायत केंद्र, सौर ऊर्जा संयंत्र, और आदर्श स्वास्थ्य सुविधा केंद्र का भी अवलोकन किया। इन सभी परियोजनाओं में स्थानीय समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की गई है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है। इस शैक्षणिक दौरे ने छात्रों को ग्रामीण विकास, सतत विकास लक्ष्यों और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की व्यवहारिक समझ प्रदान की। विश्वविद्यालय प्रशासन एवं छात्रों ने एचसीएल समुदाय पहल की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे उद्योग-शैक्षणिक सहयोग की संभावनाओं को प्रोत्साहित करने पर बल दिया।

पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी संपन्न

संवाददाता

लखनऊ। मुक्तक लोक एवं युग धारा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लखनऊ शहर के सुप्रसिद्ध विद्वान गीतकार सरल विनम्र उदार मुक्तक लोक के संस्थापक अध्यक्ष प्रोफेसर विश्वंभर शुक्ल जी के आवास सरल नेह त्रिवेणी नगर प्रथम में पुस्तक लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। इस समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ उमाशंकर शुक्ल शितिकंठ ने किया। सुप्रसिद्ध विद्वान विनम्र साहित्यकार डॉक्टर उमाशंकर शुक्ल शितिकंठ जी के अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में नागपुर महाराष्ट्र से पधारे आदरणीय रामकृष्ण सहस्त्र बुद्धे, श्री अयोध्या जी से श्री दिवाकर जी महाराज, साहित्य भूषण विजय शंकर भाष्कर जी, संस्कृत हिन्दी साहित्य जगत की सुप्रसिद्ध कवियत्री डाक्टर प्रेमलता, श्री अमरनाथ त्रिपाठी, कार्यक्रम की संयोजिका सौम्या मिश्र तथा लखनऊ की सुप्रसिद्ध वयोवृद्ध कवियत्री श्रीमती जया शर्मा, सुरेंद्र अग्निहोत्री, पंडित राम तेज तिवारी आध्यात्मिक संस्थान के महासचिव उमाशंकर तिवारी और अनेकानेक साहित्यकार पत्रकार एवं कविगण उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में आदरणीय डॉक्टर उमाशंकर शुक्ल शितिकंठ जी की अध्यक्षता में तीन काव्य पुस्तकों का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉक्टर प्रेमलता त्रिपाठी जी ने वाणी वन्दना प्रस्तुत की तदुपरान्त उपस्थित सभी साहित्यकारों को माल्यार्पण कर अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। श्री ओम जी मिश्र जी ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया ।अनेक गांड मारने कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अन्त में धन्यवाद ज्ञापन परमआदाणीया सरला शुक्ल जी ने किया। सूक्ष्म जलपान के बाद कार्यक्रम समाप्त किया गया।

होंडा मोटरसाइकल एण्ड स्कूटर इंडिया ने नई 2025 शाइन 125 लॉन्च की

नये इंडिया की अमेज़िंग शाइन

संवाददाता

लखनऊ। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने आज व्ठक्2ठ मानकों के अनुरूप नई शाइन 125 को लॉन्च करने की घोषणा की। इसे नए रंगों और एडवांस फीचर्स के साथ अपडेट किया गया है, ताकि राइडर्स को पहले से बेहतर अनुभव मिल सके। 2025 होंडा शाइन 125 की कीमत (एक्स-शोरूम, दिल्ली) 84,493 रूपए से शुरू होती है। नई शाइन 125 को पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसिडेंट और सीईओ श्री सुतसुमु ओटानी ने कहा, हमें OBD2B-- कम्प्लाएंट शाइन 125 लॉन्च करते हुए बेहद खुशी हो रही है। वर्ष 2006 में लॉन्च होने के बाद से ही शाइन अपने सेगमेंट की सबसे पसंदीदा मोटरसाइकल बनी हुई है और लाखों भारतीय ग्राहकों का भरोसा जीत चुकी है। बीते वर्षों में इसने परफॉर्मेंस, कंफर्ट और भरोसेमंद सफर के नए मानक स्थापित किए हैं। हमें नई

शाइन 125 को उन्नत फीचर्स के साथ पेश करते हुए गर्व हो रहा है। ये नए फीचर्स इसे और ज्यादा उपयोगी और आकर्षक बनाएंगे, जिससे यह आज के राइडर्स की उम्मीदों पर पूरी तरह खरी उतरेगी। इस लॉन्च पर बोलते हुए, होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर, सेल्स एंड मार्केटिंग श्री योगेश माथुर ने कहा, नई शाइन 125 को लॉन्च करना हमारे लिए खुशी की बात है। यह मोटरसाइकल 125बब सेगमेंट में लगातार नए मानक स्थापित कर रही है। अब कम्प्लाएंट इंजन और कई नए एडवांस फीचर्स के साथ यह भारतीय ग्राहकों के लिए और भी सुविधाजनक हो गई है। शाइन 125 अब पूरी तरह डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, आइडलिंग स्टॉप सिस्टम और यूएसबी सी-टाइप चार्जिंग पोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस है। हमें पूरा विश्वास है कि 'नए इंडिया की अमेजिंग शाइन' ग्राहकों को जरूर पसंद आएगी और बाजार में अपनी मजबूत पहचान को और आगे बढ़ाएगी। शाइन 125 का डिजाइन अपनी खूबसूरती और स्टाइलिश लुक को बरकरार रखते हुए अब नई कलर स्कीम के साथ और भी ताजा और आकर्षक नजर आता है। यह छह शानदार रंगों में उपलब्ध हैकृ पर्ल इग्नियस ब्लैक, जेनी ग्रे मेटैलिक, मैट एक्सिस ग्रे मेटैलिक, रेबेल रेड मेटैलिक, डीसेंट ब्लू मेटैलिक और पर्ल सायरन ब्लू। इसके अलावा, अब इसमें का वाइडर रियर टायर दिया गया है, जो मोटरसाइकल की स्टाइलिंग को और निखारता है और सड़क पर इसकी पकड़ को भी बेहतर बनाता है।

बालागंज क्षेत्र के व्यापारी हुए संगठित

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल, बालागंज इकाई का हुआ गठन

❑ मान सम्मान और स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं : संजय गुप्ता

संवाददाता

लखनऊ। बालागंज क्षेत्र के व्यापारियों की एक बड़ी बैठक बृहस्पतिवार देर शाम जल निगम रोड ,बालागंज पर आयोजित हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता की उपस्थिति में बालागंज क्षेत्र के व्यापारियों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए संगठित होकर एक सूत्र में बंधते हुए ष्उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल, बालागंज ष्इकाई का गठन किया तथा सर्वसम्मति से पदाधिकारियों को चुना। नवगठित इकाई में वरिष्ठ व्यापारी नेता संजय जैन को चेयरमैन, युवा व्यापारी राहुल गुप्ता को अध्यक्ष, नवनीत दीक्षित को वरिष्ठ महामंत्री ,ज्ञान द्विवेदी को महामंत्री, मोनू यादव को कोषाध्यक्ष ,अमित वर्मा ,श्याम किशोर मौर्या, श्रीमती सूरजमुखी साहू, सत्यनारायण मिश्रा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुना गया तथा उपाध्यक्ष के पद पर महेंद्र रस्तोगी, मोहम्मद इजरायल, सरवन कुमार रावत ,सुरेश मौर्या ,शिव कुमार जायसवाल, दिनेश रस्तोगी चुने गए एवं संगठन मंत्री के पद पर श्रीमती अर्चना पाठक एवं हितेश जैन चुने गए तथा मंत्री के पद पर सुनील गुप्ता ,आशुतोष गुप्ता, आशीष गुप्ता, राजू रस्तोगी ,पप्पू शर्मा, हरीश चंद्र मौर्य , मुरारी जी, रामनाथ मौर्या ,सुशील मौर्या संतोष रस्तोगी ,वीरेंद्र

सोनी तथा मुकेश वर्मा प्रचार मंत्री चुने गये तथा संरक्षक मंडल में बाजार के बुजुर्ग व्यापारी श्री उमाशंकर वर्मा एवं श्री हनुमान प्रसाद यादव को संरक्षक के रूप में चुना गया प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने सभी नवगठित इकाई के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी तथा व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहने को कहा प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा ना गलत करें, ना गलत बर्दाश्त करें। आदर्श व्यापार मण्डल व्यापारियो के हितों की रक्षा के लिए कोई कोई कसर नहीं छोड़ेगा। उन्होंने कहा व्यापारियों को भी ई कॉमर्स से प्रतिस्पर्धा करने के लिए एवं परंपरागत बाजारों को बचाने के लिए अपने ग्राहकों को अधिक से अधिक सुविधाएं देनी होंगी, एनी टाइम एक्सचेंज एवं एनी टाइम रिटर्न की पॉलिसी अपनानी होगी। उन्होंने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा कि ग्राहकों का डाटा बैंक तैयार करें तथा सोशल मीडिया के माध्यम से एवं अपने संसाधनों से अपने व्यापार को ई- कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर लाएं तथा व्यापार करने के आधुनिक तरीके अपनाएं अपने व्यापारिक स्थल को भी आधुनिक बनाएं तथा बाजार को स्मार्ट बाजार के रूप में विकसित करें तभी व्यापार बढ़ेगा। उन्होंने कहा मान सम्मान और स्वाभिमान से बढ़कर कुछ भी नहीं है। व्यापारियों को सदैव ऐसे काम करने चाहिए जिससे हमारी आगे आने वाली पीढ़ी भी व्यापार के क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित हो उन्होंने व्यापारियों को जागरूक करते हुए कहा व्यापार के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य की भी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा आदर्श व्यापार मंडल के सभी पदाधिकारी व्यापारियों के साथ कंधे-से कंधा मिला कर चलें निश्चित रूप से सभी का मान सम्मान बढ़ेगा। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मण्डल के प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल, लखनऊ नगर के उपाध्यक्ष एवं भूतनाथ मार्केट के अध्यक्ष कमल अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे

पुलवामा के शहीदों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी : अजय

संवाददाता, लखनऊ। पुलवामा हमले में शहीद हुए भारतीय सैनिकों की आज छठी वर्षी के मौके पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, पूर्व मंत्री अजय राय ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।इस मौके पर अजय राय ने कहा कि पुलवामा में हमारे जवानों की शहादत देश के लिए एक बड़ा अघात साबित हुई थी। श्री राय ने कहा कि इतने वर्ष बीत जाने के बाद भी पुलवामा के कई शहीदों के मामले में आर.डी.एक्स. कहां से आया और कौन लाया मोदी सरकार इस बात का आज तक पता नहीं लगा पाई। श्री राय ने आगे कहा कि हम उन शहीदों के परिवारों के साथ खड़े हैं और कांग्रेस की सरकार आने पर इस घटना की पूरी जांच कराई जायेगी।इस मौके पर मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डॉ सीपी राय, पूर्व विधायक संजय कपूर, प्रदेश प्रवक्ता डॉ उमा शंकर पाण्डेय, द्विजेन्द्र त्रिपाठी, संजय दीक्षित, संजय सिंह, बृजेन्द्र सिंह, दयानंद तिवारी, वेद प्रकाश त्रिपाठी, आदि ने भी पुलवामा हमले के शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किया।

बिजली के निजीकरण के विरोध में उतरे लोग, आंदोलन की रुपरेखा बनाने में जुटे कर्मचारी

संवाददाता

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के आह्वान पर बिजली के निजीकरण के खिलाफ प्रदेश व्यापी विरोध प्रदर्शन 79वें दिन भी जारी रहा। संघर्ष समिति ने मांग की है कि बिजली उपभोक्ताओं और कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए निजीकरण की प्रक्रिया तत्काल निरस्त की जाए। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निजीकरण से हजारों कर्मचारियों की नौकरियां खतरे में पड़ जाएंगी। यदि निजीकरण होता है तो कॉमन कैडर के मुख्य अभियंता, अधिशासी भियंता, सहायक अभियंता और जूनियर इंजीनियर सहित 28,489 स्थायी पद समाप्त हो जाएंगे, जबकि संविदा पर कार्यरत करीब 50,000 कर्मियों की नौकरियां भी खतरे में पड़ जाएंगी।। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि निजीकरण के चलते किसानों और गरीब उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा नुकसान होगा। निजी कंपनियां किसानों को मुफ्त बिजली नहीं देंगी। इससे 7.5 हॉर्स पावर के ट्यूबवेल के मात्र 6 घंटे चलाने पर 12-15 हजार रुपए प्रति माह का बिजली बिल आएगा।वहीं गरीबी रेखा से नीचे के उपभोक्ताओं की सब्सिडी भी समाप्त हो जाएगी। संघर्ष समिति ने मुंबई का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां घरेलू बिजली की दरें 17-18 रुपए प्रति यूनिट हैं, जबकि यूपी में अभी अधिकतम 6.50 रुपए प्रति यूनिट है। निजीकरण के बाद यह दर तीन गुना तक बढ़ सकती है। इससे आम जनता पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। 'वाराणसी, आगरा, मेरठ, कानपुर, गोरखपुर, मिर्जापुर, आजमगढ़, बस्ती, अलीगढ़, मथुरा, एटा, झांसी, बांदा, बरेली, देवीपाटन, अयोध्या, सुल्तानपुर, हरदुआगंज, पारीछा, ओबरा, पिपरी और अनपरा में बिजली कर्मचारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया।